आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

# दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

HAPPY मकर संक्रांति

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 167 | इंदौर, बुधवार 14 जनवरी, 2026 | माघ कृष्ण 11 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

## देश विदेश

### कुत्ते के काटने पर भारी मुआवजा तय होगा: सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा, 'बच्चों या बुजुर्गों को कुत्तों के काटने, चोट लगने या मौत के हर मामले में हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा दिलवाएंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले 5 सालों में नियमों को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया।' कोर्ट ने कहा, 'आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है, तो इन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते। ये कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमते रहें, लोगों को काटें और डराएं। उन्हें हम ऐसे ही नहीं छोड़ सकते।' जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा, 'कुत्तों में एक खास तरह का वायरस होता है, जिसका कोई इलाज नहीं है।

### ब्लिंकिट ने हटाया '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा

**नई दिल्ली।** ब्लिंकिट जैसी क्विक कॉमर्स कंपनियों ने अब '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटा दिया है। यह बदलाव डिलीवरी बॉयज की हड़ताल और सरकार की दखल के बाद आया है। सरकार के साथ हुई बैठक में ब्लिंकिट के अलावा स्विगी और जेप्टो ने भी भरोसा दिया है कि वे अब ग्राहकों से समय सीमा का वादा करने वाले विज्ञापन नहीं करेंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में इन कंपनियों के टॉप अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। श्रम मंत्री ने बैठक में स्पष्ट किया कि कंपनियों का बिजनेस मॉडल वर्कर्स की जान जोखिम में डालकर नहीं चलना चाहिए। 10 मिनट जैसी समय सीमा न केवल राइडर्स के लिए खतरनाक है, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी जोखिम पैदा करती है।

### विवादों में घिरी यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक

**टीजर को लेकर सेंसर बोर्ड में की शिकायत, अश्लील सीन हटाने की मांग की गई**

**मुंबई।** यश स्टारर फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स विवादों में फंस गई है। फिल्म को लेकर सोशल एक्टिविस्ट दिनेश कल्लाहल्ली ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने टीजर में मौजूद कुछ सीन को अश्लील, आपत्तिजनक और नैतिक मूल्यों के खिलाफ बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीएफसी चेयरपर्सन प्रसून जोशी को की गई शिकायत में सोशल एक्टिविस्ट ने कहा कि टॉक्सिक के टीजर में बहुत ज्यादा अश्लील, सेक्सुअली एक्सप्लिसिट और वल्गर सीन हैं। जो खुले तौर पर सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। इससे बच्चे और युवा भी ऐसे कंटेंट देख रहे हैं, जो कानून और समाज दोनों के लिए ठीक नहीं है। एक्टिविस्ट का कहना है कि यह टीजर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा से बाहर है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि अश्लील और सेक्सुअली एक्सप्लिसिट कंटेंट को संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिलती। उन्होंने सिनेमैटोग्राफ एक्ट 1952, फिल्म सर्टिफिकेशन नियमों और सीबीएफसी की गाइडलाइंस का भी हवाला दिया। उनका कहना है कि फिल्मों, ट्रेलरों और प्रमोशनल कंटेंट में शालीनता, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी के मानकों का पालन होना चाहिए। शिकायत में सीबीएफसी से टीजर को रिव्यू करने, आपत्तिजनक सीन हटाने और उसके प्रसार पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही फिल्म टॉक्सिक से जुड़े डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जरूरी कानूनी और नियम के अनुसार कार्रवाई की भी अपील की गई है।

### उत्तराखंड में भूकंप के झटके, घरों से बाहर निकले लोग, मचा हड़कम्प

**कुमाऊं।** उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के बागेश्वर में मंगलवार की सुबह 7.25 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई है। सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस होने लोग घरों से बाहर निकल गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, बागेश्वर में भूकंप का केंद्र था। जमीन के 10 किलोमीटर नीचे केंद्र होने के कारण लोगों को झटके महसूस हुए। भूकंप का असर बागेश्वर से 174 किलोमीटर दूर ऋषिकेश और 183 किलोमीटर दूर हरिद्वार तक महसूस किया गया। राज्य आपदा प्रधिकरण से मिली जानकारी के अनुसार भूकंप के बाद से स्थानीय प्रशासन को सतर्क कर दिया गया है। इससे किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। कुछ लोगों ने बताया कि झटकों के साथ गडगड़ाहट जैसी आवाज सुनाई दी, जिससे डर और बढ़ गया।

### बंगाल में निपाह वायरस की दस्तक से हड़कंप

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले से एक बेहद चिंताजनक खबर सामने आ रही है, जहाँ घातक निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामले मिलने के बाद राज्य से लेकर केंद्र तक प्रशासनिक गलियारों में खलबली मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बारासात शहर के रहने वाले दो स्वास्थ्यकर्मी इस वायरस की चपेट में आए हैं, जिनका परीक्षण रविवार रात नादिया जिले के 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान' में सकारात्मक पाया गया। संक्रमण की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने तुरंत हस्तक्षेप किया है और स्थिति की निगरानी के लिए विशेषज्ञों की टीम को सक्रिय कर दिया है। इधर, पश्चिम बंगाल सरकार ने आम जनता से पैनिक न होने की अपील की है, लेकिन साथ ही अत्यधिक सतर्कता बरतने और सभी जरूरी एहतियाती कदम उठाने के कड़े निर्देश जारी किए हैं।

---

आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा भविष्य में किसी भी तरह के आतंकी या सैन्य दुस्साहस के लिए हम पूरी तरह तैयार

## पाकिस्तान बॉर्डर पर 8 आतंकी कैंप एक्टिव, ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है : आर्मी चीफ

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भविष्य में किसी भी तरह के आतंकी या सैन्य दुस्साहस के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं। भारत पूरी ताकत से जवाब देगा।

जनरल द्विवेदी ने बताया कि बॉर्डर के पास 8 आतंकी कैंप अभी भी सक्रिय हैं। अगर कोई हरकत होती है तो एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर, थलसेना, वायुसेना और नौसेना के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। ऑपरेशन सिंदूर में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। रविवार को बॉर्डर के पास ड्रोन देखे जाने के सवाल पर आर्मी चीफ बोले- वे बहुत छोटे ड्रोन हैं। ये लाइट जलाकर उड़ते हैं। बहुत अधिक ऊंचाई पर नहीं उड़ते और बहुत कम ही दिखाई दिए हैं। 10 जनवरी को लगभग 6 ड्रोन देखे गए, जबकि 11 और 12 जनवरी को 2 से 3 ड्रोन दिखाई दिए।

**आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी की 5 बड़ी बातें**

हाल में देखे गए ड्रोन रक्षात्मक ड्रोन थे, जो यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि कोई कार्रवाई तो नहीं हो रही है। वे जांचना चाहते हैं कि भारतीय सेना कहीं कोई कमी या ढिलाई तो नहीं कर रही, जिससे वे आतंकियों को भेज सकें। इंटरनेशनल बॉर्डर और नियंत्रण रेखा के सामने 8 आतंकी कैंप हैं, जिसमें ट्रेनिंग जैसी गतिविधि चल रही है। सेना नजर बनाए हुए है, एक भी गलती पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। 7 मई को 22 मिनट की शुरूआती कार्रवाई और 10 मई तक 88 घंटे तक चले समन्वित अभियान ने रणनीतिक समीकरणों को बदल दिया। इस दौरान आतंकी ढांचों पर अटैक किए गए। 9 में से 7 लक्ष्यों को नष्ट किया गया। पाकिस्तान की पुरानी परमाणु धमकी की रणनीति को कमजोर किया गया। 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें ज्यादातर पाकिस्तानी थे। इनमें पहलगाम हमले के आतंकी भी थे, जिन्हें ऑपरेशन महादेव में मार गिराया गया। जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव दिख रहे हैं। विकास के काम तेज हुए हैं। पर्यटन लौट रहा है और अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण रही। 2025 में 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आए, जो पिछले पांच साल के औसत से ज्यादा हैं। आतंक से पर्यटन की ओर बढ़ने की प्रक्रिया अब धीरे-धीरे आकार ले रही है।

**आर्मी चीफ बोले- 1963 का पाक-चीन समझौता अवैध**

- आर्मी चीफ ने कहा कि भारत, पाकिस्तान और चीन के बीच 1963 के समझौते को अवैध मानता है। जिसके तहत पाकिस्तान ने शक्सगाम घाटी में अपना क्षेत्र चीन को सौंप दिया था।
- उन्होंने कहा कि हम वहां किसी भी गतिविधि को स्वीकार नहीं करते हैं। जहां तक चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का सवाल है हम इसे स्वीकार नहीं करते। हम इसे दोनों देशों की अवैध कार्रवाई मानते हैं।

---

रतलाम में टाइल्स से भरा ट्रक लोडिंग वाहन पर पलटा

## ट्रक के नीचे दबने से 3 लोगों की मौत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ रतलाम

प्रदेश के रतलाम-झाबुआ रोड पर सोमवार देर रात टाइल्स से लोड एक ट्रक चढ़ाई चढ़ते समय रिवर्स हुआ और पीछे आ रहे लोडिंग वाहन पर पलट गया। ट्रक के नीचे दबने से लोडिंग वाहन में सवार तीनों लोगों की मौके पर ही जान चली गई। शव बुरी तरह चिपक गए थे, जिन्हें निकालने के लिए पुलिस को करीब ढाई घंटे मशक्कत करनी पड़ी। मृतकों में दो रतलाम और एक झाबुआ का रहने वाला था।

यह दर्दनाक हादसा बिलपांक थाना क्षेत्र के गांव उंडवा के पास रात करीब 10 से 10.30 बजे के बीच हुआ। झाबुआ की तरफ से रतलाम आ रहा ट्रक कोयला घाटी की चढ़ाई चढ़ रहा था। तभी वह असंतुलित होकर रिवर्स हो गया। इससे पीछे चल रहा छोटा लोडिंग वाहन उसकी चपेट में आ गया। ट्रक रिवर्स होकर लोडिंग वाहन पर पलट गया और दोनों वाहन सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरे। लोडिंग वाहन में अंडे के खाली रैकेट रखे थे।

**जेसीबी-क्रेन से अलग किए वाहन**

हादसे की सूचना पर बिलपांक थाना प्रभारी अयूब खान बल के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक और लोडिंग वाहन को अलग करने के लिए दो क्रेन और एक जेसीबी की मदद ली गई। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद लोडिंग वाहन में दबे तीनों शवों को बाहर निकाला जा सका। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्बुलेंस से रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा गया। हादसे के कारण रास्ता भी प्रभावित रहा, जिसे ट्रक हटाने के बाद चालू कराया गया।

**हादसे में इन लोगों की गई जान**

मृतकों की पहचान अब्दुल हमीद (50) पिता फैज मोहम्मद निवासी झाबुआ, रियाज (48) पिता शब्बीर अहमद निवासी सुभाष नगर रेलवे फाटक के पास (रतलाम) और जफर (52) पिता अब्दुल शकूर निवासी मोहन टॉकिज पिंजारवाड़ी (रतलाम) के रूप में हुई है।

---

## ईरान में अब तक 12 हजार लोगों की हत्या

एजेंसी ▸▸ ईरान

ईरान में 12 हजार प्रदर्शनकारियों की हत्या का दावा किया जा रहा है। ईरान से जुड़े मामलों को कवर करने वाली ब्रिटिश वेबसाइट ईरान इंटरनेशनल ने दावा किया है कि ये हत्याएं पिछले 17 दिनों में हुई हैं। वेबसाइट ने इसे ईरान के आधुनिक इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा हत्याकांड बताया है। वहीं रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से मरने वालों की संख्या 2 हजार बताई है। वेबसाइट का कहना है कि यह जानकारी कई सोर्सेज पर आधारित है। इस डेटा की कई लेवल पर जांच की गई और सख्त प्रोफेशनल स्टैंडर्ड के मुताबिक पुष्टि के बाद ही इसे जारी किया गया। ज्यादातर मारे गए लोग 30 साल से कम उम्र के थे।

---

भोपाल के स्लॉटर हाउस में गोमांस का मामला

## निगम परिषद की बैठक में हंगामा

बीजेपी-कांग्रेस के पार्षदों ने जताया विरोध, सड़क पर उतरे हिंदू संगठन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

भोपाल में मंगलवार को नगर निगम परिषद की बैठक में हंगामा हो गया। निगम के स्लॉटर हाउस में गोमांस के विरोध में कांग्रेस पार्षद पोस्टर लेकर पहुंचे। महापौर और एमआईसी (मेयर इन काउंसिल) के इस्तीफे की मांग की। बीजेपी पार्षद देवेंद्र भार्गव ने जैकेट पर कागज चस्पा कर गोमांस का विरोध किया। इधर, हिंदू संगठन सड़क पर उतरकर विरोध कर रहे हैं।

बैठक के दौरान बीजेपी के सीनियर पार्षद सुरेंद्र बाठिका और पप्पू विलास घाड़गे समेत कई पार्षदों ने विरोध जताया। एमआईसी मेंबर आरके सिंह बघेल ने कहा कि इस मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए।

कांग्रेस पार्षद अध्यक्ष की आसंदी के सामने पहुंच गए। नारेबाजी करते हुए महापौर मालती राय से इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि ठेकेदार ही नहीं, इस मामले से जुड़े सभी नेताओं और अधिकारियों के नाम उजागर कर कार्रवाई हो। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि नगर निगम के पशु चिकित्सक बेनी प्रसाद गौर को सस्पेंड करने के आदेश निगम को दे दिए गए हैं। गौर के जिम्मे ही स्लॉटर हाउस में स्लॉटिंग का काम था।

---

## राज्यसभा की सीट खाली कर रहा हूं: दिग्विजय

### तीसरी बार उच्च सदन नहीं जाएंगे, एमपी में फुल टाइम एक्टिव होंगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर लीडर दिग्विजय सिंह का राज्यसभा का कार्यकाल तीन महीने बाद 9 अप्रैल को खत्म हो रहा है। वे दूसरी बार के राज्यसभा सांसद हैं। अब तीसरी बार राज्यसभा नहीं जाएंगे। दिग्विजय सिंह ने खुद इस बात पर मुहर लगाई है।

भोपाल के समन्वय भवन में मंगलवार को दिग्विजय सिंह से पूछा- कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने आपको पत्र लिखकर अनुसूचित जाति वर्ग के नेता को राज्यसभा भेजने की मांग की है, आपकी क्या राय है? इस पर दिग्विजय सिंह ने कहा- ये मेरे हाथ में नहीं है। पार्टी निर्णय करती है। लेकिन एक बात मैं कहना चाहता हूं कि मैं

अपनी सीट खाली कर रहा हूं। सूत्रों की मानें तो दिग्विजय सिंह ने पार्टी नेतृत्व को भी इस बात से अवगत करा दिया है। अब राज्यसभा के लिए पांच वरिष्ठ नेता रेस में बताए जा रहे हैं। प्रदेश में 2028 में विधानसभा के चुनाव होने हैं। सूत्र बताते हैं कि दिग्विजय ने पार्टी आलाकमान से कहा है कि वे एमपी में ही पूरा टाइम देना चाहते हैं। इस साल मई से अगले ढाई साल यानी कि विधानसभा चुनाव तक अलग-अलग चरणों में एमपी के दौरे करके कांग्रेस की जमीन तैयार करेंगे।

---

## चांदी दो दिन में 2.63 लाख प्रति किग्रा पहुंची

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम 13 जनवरी को लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 6,256 रुपए बढ़कर 2,63,032 रुपए हो गई है। कल इसने 2,57,283 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। दो दिन में चांदी करीब 20 हजार रुपए महंगी हो चुकी है।

---

## एयरपोर्ट से 180 करोड़ का सोना चोरी

### 7 आरोपी कनाडा में गिरफ्तार, भारत से भी निकला कनेक्शन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कनाडा के पील में पुलिस ने सोमवार को प्रोजेक्ट 24के के सिलसिले में एक आदमी को गिरफ्तार किया है। यह जांच 20 मिलियन डॉलर से ज्यादा (180 करोड़) की सोने की ईंटों की चोरी से जुड़ी है। ये देश के इतिहास की सबसे बड़ी सोने की चोरी है। 43 साल के अरसलान चौधरी को टोरंटो पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया, जब वह दुबई, संयुक्त अरब अमीरात से फ्लाइट से आया था। पुलिस ने बताया कि चौधरी का कोई तय पता नहीं है।

17 अप्रैल, 2023 को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख से एक विमान टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, इसमें लगभग 400 किलोग्राम। 9999-शुद्ध सोने की खेप थी। ये 6,600 ईंटों के बराबर है और जिसका मूल्य 20 मिलियन डॉलर से अधिक है। इसके साथ ही 2.5 मिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा भी थी। इसके बाद माल को उतारकर हवाई अड्डे की संपत्ति पर एक अलग स्थान पर ले जाया गया, लेकिन कुछ घंटों बाद उसके लापता होने की जानकारी मिली। फिर पुलिस ने सीमा पार जांच शुरू की और चोरी के सिलसिले में दस लोगों की पहचान कर उन पर आरोप लगाए या उनके खिलाफ वारंट जारी किए। इनमें ब्रैम्पटन निवासी 33 वर्षीय सिमरन प्रीत पनेसर भी शामिल थे। एयर कनाडा के पूर्व कर्मचारी पनेसर पर एयरलाइन सिस्टम में हेरफेर करके माल की खेप की पहचान करने और उसे दूसरी दिशा में मोड़ने में मदद करने का आरोप है।

---

## अमेरिका में ग्रीनलैंड पर कब्जे का बिल पेश

### 51वां राज्य बनाने का अधिकार मिलेगा, 300 सालों से यह डेनमार्क का हिस्सा

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिकी सांसद रैंडी फाइन ने सोमवार को ग्रीनलैंड एनेक्सेशन एंड स्टेटहुड एक्ट नाम से एक बिल पेश किया है। इस बिल का मकसद अमेरिकी सरकार को ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने और बाद में इसे अमेरिका का राज्य बनाने के लिए कानूनी अधिकार देना है।

सांसद रैंडी फाइन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस बिल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कदम रूस-चीन के प्रभाव को रोकने के लिए बहुत जरूरी है। इसके बाद संसद को राज्य बनने के लिए जरूरी सुधारों की पूरी रिपोर्ट सौंपी जाएगी। अगर ये बिल पास हुआ तो अमेरिका को ग्रीनलैंड को अपना 51वां राज्य बनाने का अधिकार मिल जाएगा। हालांकि, यह बिल अभी सिर्फ पेश हुआ है इसे हाउस और सीनेट दोनों में पास होना है। कई एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह बहुत मुश्किल से पास होगा, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ग्रीनलैंड पर पिछले 300 सालों से डेनमार्क का कंट्रोल है।

**अगर बिल पास हुआ तो ग्रीनलैंड में क्या बदलेगा**

- **राष्ट्रपति को विशेष अधिकार मिलेंगे:** बिल पास होने पर अमेरिकी राष्ट्रपति को कानूनी रूप से जरूरी सभी कदम उठाने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें डेनमार्क के साथ बातचीत से लेकर अन्य तरीके शामिल हैं, ताकि ग्रीनलैंड को अमेरिकी क्षेत्र में मिलाया जा सके।
- **ग्रीनलैंड अमेरिकी क्षेत्र बनेगा:** अगर कब्जा सफल हो जाता है, तो ग्रीनलैंड अमेरिकी टेरिटरी बन जाएगा।
- **स्टेटहुड की प्रक्रिया शुरू होगी:** राष्ट्रपति को कांग्रेस को एक रिपोर्ट सौंपनी होगी, जिसमें बताना होगा कि ग्रीनलैंड को 51वां राज्य बनाने के लिए कौन-कौन से फेडरल कानून बदलने होंगे।
- **ग्रीनलैंड का संविधान बनेगा:** इसके बाद ग्रीनलैंड को अपना एक संविधान बनाना होगा, जो अमेरिकी संविधान के अनुरूप हो। संसद इसे मंजूरी देगी और ग्रीनलैंड अमेरिका का पूर्ण राज्य बन सकता है (जैसे अलास्का बना था)।

**ट्रम्प बोले- ग्रीनलैंड अमेरिकी रक्षा के लिए जरूरी**

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा है कि ग्रीनलैंड अमेरिकी रक्षा के लिए जरूरी है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि अमेरिका को ग्रीनलैंड की जरूरत है और वे इस दिशा में कदम उठा रहे हैं, चाहे दूसरे देश इसे पसंद करें या नहीं।
- ट्रम्प प्रशासन ने ग्रीनलैंड के लोगों को अमेरिका में शामिल होने के लिए पैसे देने जैसे तरीकों पर भी चर्चा की है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों ने ट्रम्प के इस तरीके की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे अपमानजनक बताया।

डिस्ट्रीब्यूटरशिप हेतु संपर्क करें : 9111910311

## महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का सोमवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

## भूमिपुत्रों ने शहरियों की जेब भी बचाई...

महाआयोजन क्षेत्र में बडे पैमाने पर सीमेंट कांक्रीटीकरण की तैयारी हो चुकी थी। इसे लेकर भूमिपुत्र मैदान में कुदे और अंततः योजना निरस्त की गई। इस पूरे मामले पर आम शहरी जिसका इसमें सीधा-सीधा भला हुआ है कहीं भी सामने नहीं आया है। कुल जमा देखा जाए तो आम शहरी की जेब को भूमिपुत्रों ने सीधे तौर पर बचाया है। शहर में अधिकांश सब्जी महाआयोजन के इन्ही भूमिपुत्रों द्वारा पहुंचाई जाती है। वे 11 साल इस भूमि पर खेती करते हैं और कई किस्म के अनाज सहित सब्जी की खेती भी साथ में करते हैं जिससे उनका अच्छा खासा खर्च निकलता है। शहर के पास होने से यह सब्जी बहुत ज्यादा महंगी नहीं हो पाती है। यहां तक की इंदौर जैसे शहरों के भाव भी नहीं हो पाती है। इसमें परिवहन का बडा व्यय बचता है तो इससे सब्जी के दाम भी नियंत्रण में रहते हैं। यही सब्जी सीधे तौर पर कृषक एवं उनके परिजन आसपास के शहरी क्षेत्र में बेचने निकल पडते हैं और उससे अच्छी खासी आय अर्जित कर लेते हैं। यही कारण है कि हमारे यहां अन्य शहरों की अपेक्षा सब्जी के दाम बहुत ज्यादा नहीं हैं। सामान्य सीजन की सब्जी यहां नियंत्रित दाम से ही मिल जाती है। इसके अलावा सब्जी हमारे यहां आयात भी होती है। पालक,मैथी सहित हरी सब्जी तो आसपास से ही आती है। आयात करने की स्थिति में यह सब्जी सीधे तौर पर ताजी नहीं मिल सकती है। अच्छी खासी आवक महाआयोजन के क्षेत्र से होती है। इसके अलावा जिले के सब्जी उत्पादक किसान भी उसमें अच्छा खासा सहयोग करते हैं। मूल रूप से बाहर से आने वाली सब्जी परिवहन सहित अन्य व्यय के चलते महंगी ही आम शहरी को मिलती है। स्थानीय उत्पादन होने से आम शहरी को ही इसका सीधा लाभ मिलता है। खुसूर-फुसूर है कि भूमि पुत्र जागृत होकर अगर योजना निरस्त नहीं करवाते तो आम शहरी की जेब पर सीधे झ सीधे फटका लगने का काम इस सीजन से शुरू हो चुका होता। अभी तो फसल में गेहु एवं चना सहित अन्य उत्पादन से भी जिला लाभावित होगा साथ ही उपज के विक्रय से मंडी को भी 2 प्रतिशत टैक्स मिलेगा ।

## नया विवादः मेयर बोले-मेरे 'महाकाल भक्तों' की अनुमति रोकी

**उज्जैन।** महाकाल मंदिर दर्शन व्यवस्था को लेकर महापौर द्वारा उठाए गए सवाल और पत्र जारी करने के बाद मंदिर समिति और महापौर के बीच विवाद बढ़ गया है। महापौर और अधिकारियों के बीच तालमेल नहीं बैठ पा रहा है।

दो दिन पहले अवंतिका द्वार से भक्तों को होने वाली असुविधा को लेकर महापौर ने व्यवस्था ठीक करने को लेकर पत्र लिखा तो मंदिर समिति ने उनके कोटे से होने वाली 25 भस्म आरती परमिशन को रोक दिया। इसके बाद विवाद गहरा गया है।

महापौर मुकेश टटवाल ने 10 जनवरी को एक पत्र लिखा था कि शहर के श्रद्धालुओं को अवंतिका द्वार पर असुविधा हो रही है। उन्होंने लिखा कि उज्जैन के निवासियों को आधार कार्ड के जरिए अवंतिका द्वार से सुलभ और शीघ्र दर्शन की सुविधा दी गई थी। मकसद स्थानीय श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से राहत दिलाना था।

हालांकि, वर्तमान में अवंतिका द्वार से प्रवेश के बाद भी उज्जैन के दर्शनार्थियों को सामान्य कतार में शामिल कर दिया जाता है, जिससे शीघ्र दर्शन का मूल उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। उसे मंदिर समिति तत्काल ठीक करे।

**आवश्यकता है**

(1 )अमूल आइसक्रीम में सेल्समैन एवं डिलेवरी मैन की
कार्य समयः दोपहर 12 से शाम 6
(2) पेपर काउंटर संभालने वाले की जिसको एकाउंट का ज्ञान हो
कार्य समयः सुबह 4 से सुबह 8 (4 घंटे)

**बागड़िया न्यूज़ एजेंसी**
121 सेंट्रल कोतवाली के सामने उज्जैन
9425332161

### ढाबा रोड की जर्जर सड़क बनी वाहन चालकों के लिए मुसीबत, मलबे की गिट्टी व पत्थर उछलकर लोगों के ऊपर लग रहे

# सीवरेज लाइन के लिए खोदी सड़क... कार्य पूरा होने के बाद सड़क को रिपेयर भी नहीं किया

ढाबा रोड

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर के कई ऐसे प्रमुख मार्गो की सड़कें है जहां पर प्रतिदिन यातायात का अधिक दबाव रहता है। लेकिन उसके बावजूद भी इन मार्गो की सड़कों की स्थिति नहीं सुधर पा रही है। शहर की कई ऐसी सड़कें हैं जो जर्जर अवस्था में है। ऐसी ही स्थिति पिछले कई दिनों से ढाबा रोड की है। 2 महीने पहले सीवरेज लाइन बिछाने के लिए ढाबा रोड मार्ग की सड़क को कंपनी द्वारा खोदा गया था। इस कारण कई दिनों तक इस मार्ग पर आवागमन भी बंद रहा था। यहां सीवरेज लाइन सहित चैंबर बनाने का कार्य चलता रहा था। लेकिन खास बात यह है कि इस मार्ग पर सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य पूरा होने के बाद ठेकेदार ने इस मार्ग की सड़क को दुरुस्त भी नहीं करवाया। सिर्फ इस मार्ग पर खोदे गए गड्ढों का भराव कर दिया और सड़क की मरम्मत भी नहीं की।इस कारण यहां की सड़क जर्जर अवस्था में है जबकि इस मार्ग पर पूरे दिन वाहनों की जबरदस्त आवाजाही रहती है। लेकिन उसके बावजूद भी इस मार्ग की जर्जर सड़क की मरम्मत नहीं की गई है। इस कारण यह मार्ग बिल्कुल भी चलने लायक नहीं है। ढाबा रोड की सड़क की दुर्दशा यह है कि सड़क पर जो गड्ढे खोदे गए थे उनके भराव में उपयोग किया गया मलबा बिखरा पड़ा है। इसी मलबे के ऊपर से वाहन निकल रहे हैं। ऐसे में मलबे की गिट्टी व पत्थर उछलकर पैदल चलने लोगों के ऊपर लग रहे हैं। जबकि पिछले दिनों निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने सीवरेज लाइन बिछाने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक की थी और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे कि सीवरेज का कार्य पूरा होने के बाद सड़क को व्यवस्थित रूप से दुरुस्त किया जाए ताकि लोगों को कोई परेशानी ना हो।

**तेलीवाड़ा चौराहे की तरफ भी सड़क को खोदने के बाद नहीं सुधारा**

तेलीवाड़ा चौराहे की तरफ भी सड़क का कुछ हिस्सा उबड़-खाबड़ स्थिति में है यहां भी सीवरेज लाइन बिछाने के लिए सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे किए गए थे। लेकिन कार्य पूरा होने के बाद सड़क पर खोदे गए इन गड्ढों का ठीक से भराव भी नहीं किया गया है ना ही सड़क की मरम्मत की गई। इस कारण सड़क का कुछ हिस्सा जर्जर अवस्था में पड़ा है।ऐसे में यहां से निकलते समय वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

**मिर्जा नईमबैग मार्ग पर भी सड़क का कुछ हिस्सा जर्जर...**

मिर्जा नईमबैग मार्ग पर भी यही स्थिति है यहां भी सीवरेज लाइन के लिए सड़क को खोदा गया था लेकिन सीवरेज लाइन का कार्य पूरा होने के बाद ना तो ठीक से गड्ढों का भराव किया गया ना हीं सड़क की रिपेयरिंग की गई है इस कारण एक तरफ की कई मीटर सड़क का हिस्सा उबड़-खाबड़ स्थिति में पड़ा है। सड़क पर खोदे गए इन गड्ढों का ठीक से भराव भी नहीं किया गया है। इस कारण भराव में उपयोग किया गया मलबा सड़क पर बिखर रहा है और मलबे के ऊपर से निकलते समय वाहन चालक फिसल रहे हैं तथा मलबे की गिट्टी व पत्थर उछलकर लोगों के ऊपर लग रहे हैं।

### नए शहर में रात में 60 फीट चौडी सडक दिन में 20 फीट पर सिमट रही, फ्रीगंज में दो पहिया वाहन चालकों का निकलना दुभर हो रहा,आवागमन बाधित हो रहा

# सड़क सुरक्षा माह...वाह... मुख्य बाजार में बीच सड़क पर पार्किंग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर के विकास की स्थिति का मूल देखना हो तो नए शहर के फ्रीगंज में दोपहर या अपरांह् के समय दो पहिया वाहन पर निकलो। रात को 60 फीट चौडी सडक दिन में सिमट कर 20 फीट रह जाती है। मुख्य बाजार में बीच सडक तक पार्किंग के हाल देखे जा सकते हैं। नए शहर के फ्रीगंज क्षेत्र में दो पहिया वाहन चालकों का निकलना दुभर हो रहा है। पूरे फ्रीगंज क्षेत्र में बीच सडक में ही चौपहिया वाहनों की पार्किंग करने में चालकों को कोई गुरेज नहीं हो रहा है।

सडक सुरक्षा माह के दरमियान यातायात नियमों के पालन को लेकर आमजन को जागरूक करने का काम किया जा रहा है। इस जागरूकता में वाहनों की पार्किंग को लेकर कहीं भी कोई अभियान में गतिविधि शामिल दिखाई नहीं दे रही है । यही कारण है कि आमजन खासकर कतिपय चौपहिया वाहन चालक अपने वाहनों को नए शहर के मुख्य फ्रीगंज बाजार में ही बीच सडक तक पार्किंग कर रहे हैं। इससे अच्छी खासी चौडी रोड पर भी जाम के हालात बने रहते हैं और आवागमन बाधित होने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। सोमवार को अपरांह के समय फ्रीगंज शिव मंदिर चौराहा से मोहन मेंशन तक काफी देर तक ऐसे हालात देखे गए। एक नहीं करीब आधा दर्जन चौपहिया वाहन आधी सडक तक पार्क रहे । दुसरी और दुकानदारों का अतिक्रमण होने से यहां वाहनों का निकलना दुभर हो रहा था।

**फिर पसरा बाजार**

हाल ही में नगर निगम ने पुलिस के साथ पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में अतिक्रमण को हटाया था। यहां से सभी को खदेड दिया गया था और सामान जब्ती जैसी कार्रवाई को अंजाम दिया था। अभी इसे एक पखवाडा भी नहीं बीता है और फिर से सडक तक दुकानें पसर गई हैं। ठेले वालों का भी यहां मजमा लग गया है। यहां बीच सडक पर वाहनों की पार्किंग की जगह है। यहां भी बेतरतीब पार्किंग होने से आवागमन अवरूद्ध होता रहता है।

**वैकल्पिक मार्ग पर भी चौपहिया की पार्किंग**

फ्रीगंज क्षेत्र की बसाहट इतनी व्यवस्थित की गई थी की इसमें एक से अधिक वैकल्पिक मार्ग दिए गए हैं। इन वैकल्पिक मार्गों पर भी दिन के समय सडकों पर ही पार्किंग होती है। फूटपाथ की बजाय सडकों पर पार्किंग होने से आवागमन में बराबर बाधा की स्थिति बनी रहती है। जलपान वालों की वजह से वैकल्पिक मार्ग भी बाधित हैं तो दुकानदारों प्रदर्शन बोर्ड एवं सामान की वजह से फूटपाथ तक कब्जा रहता है।

**दुकानदार फूटपाथ छोड सड़क तक पसरे**

सडक सुरक्षा माह के दरमियान ही सडकों पर नियमानुसार फूटपाथ खाली रहना चाहिए । इसे पैदल चलने वालों के लिए रखा जाना चाहिए। इसके विपरित बाजार में हालात यह हैं कि फूटपाथ तो ठीक दुकानदार फूटपाथ छोडकर सडक तक अपना सामान पसरे हुए हैं। ठेले वाले फूटपाथ के मुहाने से बाहर सडक की और हैं और उनके यहां आने वाले चौपहिया के ग्राहक आधी सडक तक । ऐसे में सडक पर जाम के हालात बनना आम बात होती जा रही है।

**टावर से सांदीपनि चौराहा में अवरोध की भरमार**

टावर से सांदीपनि चौराहा के आवागमन में भी दिन के समय अवरोधों की भरमार रहती है। यहां सडक पर ही ठेले वाले जमे रहते हैं। इसके साथ ही चौपहिया वाहनों को फूटपाथ की बजाय सडकों पर ही पार्किंग किया जाता है। सडक के दोनों छोरों पर एक जैसे हालात होने पर आवागमन अवरूद्ध जैसे हाल बने रहते हैं। शहीद पार्क की रोटरी में चौतरफा वाहनों की पार्किंग से अवरोध की स्थिति बनी रहती है। टावर पर अंबेडकर प्रतिमा के आसपास ठेले वालों का कब्जा रहता है तो यहां अवैध नगर सेवा का स्टाप भी विकसित हो गया है। प्रतिमा के सामने ही नगर सेवा वाहन खडे रहते हैं और उसके बाद प्रतिमा के पास ठेले वालों का मजमा लगा रहता है। प्रतिमा के चौतरफा ऐसी स्थिति होने से यहां पूर्व की पार्किंग बंद हो गई और वाहन आधी सडकों तक पार्किंग किए जा रहे हैं।

# वीएचपी-बजरंग दल का महाकाल मंदिर में विरोध प्रदर्शन

### लाइव दर्शन और रात्रि आरती पर रोक के खिलाफ आंदोलन की दी चेतावनी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में लाइव ऑनलाइन दर्शन बंद करने और रात्रिकालीन संध्या/शयन आरती के दौरान आम श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगाने के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

दोनों संगठनों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। रविवार को 100 से अधिक कार्यकर्ता रैली के रूप में मंदिर पहुंचे और नीलकंठ द्वार पर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने मंदिर प्रशासन को सद्बुद्धि देने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ भी किया।

**यूट्यूब पर 24 घंटे होता था सीधा प्रसारण**

बजरंग दल के सहसंयोजक विक्की राठौड़ ने बताया कि पहले महाकाल मंदिर के गर्भगृह का 24 घंटे यूट्यूब पर सीधा प्रसारण होता था। जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु बाबा महाकाल की सभी आरतियों के दर्शन कर पाते थे।

25 दिसंबर से यह सुविधा बंद कर दी गई है, जिससे दूरदराज के श्रद्धालुओं की आस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने रात्रिकालीन दर्शन व्यवस्था में बदलाव पर भी आपत्ति जताई, जिसके तहत अब रात 10 बजे के बजाय 9 बजे ही प्रवेश बंद कर दिया जाता है। अवंतिका द्वार से स्थानीय श्रद्धालुओं के प्रवेश पर लगी रोक से भी आक्रोश बढ़ा है।

संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर के नाम मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल को एक ज्ञापन सौंपा।

### श्री महाकालेश्वर दर्शन के श्रद्धालुओं में लड्डू प्रसादी का विशेष रूझान, पौष्टिकता से भरपूर होने के बाद भी रागी का लड्डू कम रास आया,बेसन का जमकर भाया

# रविवार को एक ही दिन में 65 क्विंटल लड्डू प्रसादी ले गए श्रद्धालु

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्री महाकालेश्वर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं में लड्डू प्रसादी का विशेष रूझान देखा जा रहा है। पौष्टिकता से भरपूर होने के बावजूद श्रद्धालुओं को रागी अन्न प्रसाद का लड्डू कम रास आ रहा है जबकि बेसन का लड्डू जमकर भा रहा है। बेसन की लड्डू की मांग बराबर बढती जा रही है। अकेले रविवार को ही मंदिर समिति ने 58.539 क्विंटल बेसन का लड्डू अपने काउंटरों से विक्रय किया है। रागी का लड्डू मात्र 6.11 क्विंटल ही बिका है। यानिकी रागी की बजाय बेसन के लड्डू के प्रति लगभग 10 गुना अधिक रूझान श्रद्धालुओं का सामने आ रहा है।

रविवार को मंदिर में भगवान के दर्शनों के लिए अच्छी खासी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। सुबह भस्मार्ती में फिल्मी अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी एवं उनकी बहन ने दर्शन किए थे। उसके बाद फिल्मी कलाकार आशीष विद्यार्थी ने यहां दर्शन करने के बाद श्री कोटेश्वर महादेव का पूजन अर्चन किया था। इसी दिन श्रद्धालुओं ने मंदिर समिति के 10 काउंटर से 58.528 क्विंटल बेसन का लड्डू 28 लाख 3 हजार 50 रूपए का खरीदा है। इसी तरह से श्रद्धालुओं ने काउंटरों से 6.11 क्विंटल रागी का लड्डू 2 लाख 84 हजार 100 रूपए का खरीदा है।

**100 रूपए वाले पैकेट सर्वाधिक मांग रहीः** रविवार को आए श्रद्धालुओं ने जहां भगवान के दर्शन किए तो साथ ही लड्डू प्रसादी के लिए भी विशेष रूझान दिखाया। इस दौरान सुबह से लेकर रात तक मंदिर समिति के 10 काउंटर से लड्डू प्रसादी का विक्रय श्रद्धालुओं को किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सबसे कम 200 रूपए वाले आधा किलो के बेसन के 2467 पैकेट एवं रागी के 428 पैकेट की खरीदी की। श्रद्धालुओं ने सर्वाधिक 100 रूपए वाले पैकेट में बेसन के 18540 एवं रागी के 1215 पैकेट की खरीदी की । 50 रूपए वाले पैकेट में बेसन के 9113 एवं रागी के 1540 लड्डू का विक्रय किया गया । मंदिर समिति ने रागी एवं बेसन के लड्डुओं की अकेले रविवार को ही 30 लाख 87 हजार से अधिक राशि का विक्रय किया है। गौरतलब है कि मंदिर समिति लड्डू प्रसादी नो लास नो प्राफिट पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध करवाती है।

**12 दिन में 643 क्विंटल का विक्रयः** हाल ही में शीतकालीन अवकाश के 25 दिसंबर 25 से 5 जनवरी 26 के 12 दिवसीय अवकाश में मंदिर समिति ने 643.409 क्विंटल लड्डू प्रसादी का विक्रय श्रद्धालुओं को किया था। उस दरमियान 2 करोड 73 लाख 93 हजार 600 रूपए के 573.118 क्विंटल बेसन एवं 70.291 क्विंटल रागी श्री अन्नप्रसाद के 32 लाख 50 हजार 800 रूपए के लड्डू का विक्रय किया गया था।

> मंदिर समिति लड्डू प्रसादी के निर्माण में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखती है। प्रति दिन खाद्य प्रसाशन के निरीक्षक सेंपल लेकर जांच करवाते हैं। सामग्री पूर्ण गुणवत्ता की इस्तेमाल की जाती है। विक एंड में करीब इतना लड्डू प्रसादी श्रद्धालु ले जाते हैं। बेसन का लड्डू चलन में है कुछ दिनों में श्री अन्नप्रसाद का लड्डू भी चलन में आएगा तो उसका विक्रय भी बढता जाएगा।
>
> -प्रथम कौशिक, प्रशासक, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति,उज्जैन

नं. 1 क्षेत्रीय अखबार

# दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | बुधवार 14 जनवरी, 2026 | www.awantika.com



## न्यूज ब्रीफ

### महिला एवं बाल विकास विभाग में रिक्त पदों पर पदस्थापना नहीं

**उज्जैन।** महिला एवं बाल विकास विभाग में पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) पदों के लिए जनवरी 2025 में आवेदन आमंत्रित किए गए। 7 मार्च से 13 अप्रैल 2025 तक परीक्षा हुई। 21 जून को परिणाम आया और 4 से 6 अगस्त तक दस्तावेजों का सत्यापन हुआ, लेकिन पद स्थापना अब तक नहीं हुई है। विभागीय भर्ती की इस धीमी प्रक्रिया का असर अब आंगनवाड़ी केंद्रों के कामों पर भी पड़ने लगा है। ऐसे में उज्जैन जिले के अधिकारियों ने तो शासन को सुपरवाइज पदों पर जल्द पोस्टिंग करने का मांग पत्र शासन को भेज दिया है। कमोबेश यह स्थिति प्रदेश के हर जिले की है। बताया जा रहा है कि यह प्रक्रिया प्रदेशभर में सुपरवाइजरों के करीब 660 पदों पर भर्ती के लिए की गई थी। प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद पोस्टिंग में देरी क्यों हो रही है, इसे लेकर किसी के पास भी कोई ठोस जवाब नहीं हैं।

### महावीर तपोभूमि पर होने वाले महामस्तकाभिषेक को लेकर मुनिश्री के चरणों में श्रीफल समर्पित किया

**उज्जैन।** विनोद मिल दिगंबर जैन मंदिर में मुनिश्री निर्णय सागर महाराज, श्रमण सागर महाराज एवं ओंकार सागर महाराज विराजमान हैं। सोमवार को श्री महावीर तपोभूमि ट्रस्ट एवं परिवार ने 26 जनवरी को होने वाले महामस्तकाभिषेक के संबंध में श्रीफल भेंट किया। उनसे आने वाले कार्यक्रमों की संपूर्ण रूपरेखा बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम को लेकर महाराज श्री ने आशीर्वाद दिया। इस वर्ष आचार्य श्री प्रज्ञासागर महाराज के आशीर्वाद से श्री महावीर तपोभूमि पर भगवान महावीर स्वामी का महामस्तकाभिषेक धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। जिसमें देशभर से कई गुरु भक्त कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम सुबह से शुरू होकर दोपहर तक आयोजित होगा। संपूर्ण समाज का वात्सल्य भोज भी वहीं पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संपूर्ण परिवार द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसके लिए उज्जैन में विराजित मुनिश्री को श्रीफल समर्पित किया गया। श्रीफल समर्पित करने में मुख्य रूप से संस्था के संस्थापक अध्यक्ष , अध्यक्ष सचिव सं आदि मौजूद थे। तपोभूमि पर 26 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम को लेकर तपोभूमि ट्रस्ट एवं परिवार,प्रज्ञा कला मंच, प्रज्ञा पुष्प मंच, प्रज्ञा बाल मंच, प्रज्ञा युवा मंच आदि सभी ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक मात्रा में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

### हेल्प लाइन की शिकायत अटेंड नहीं करने वाले का वेतन कटेगा

**उज्जैन।** जिले के शासकीय विभाग के कर्मचारियों को दोपहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट लगाना पड़ेगा। यह निर्देश सोमवार को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने टीएल मीटिंग में दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में नॉन अटेंडेंट शिकायत वाले अधिकारियों का वेतन काटने के भी निर्देश दिए। मीटिंग में जानकारी दी गई कि महाकाल महोत्सव 14 जनवरी से 18 फरवरी तक आयोजित होगा। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शामिल होना प्रस्तावित है। कलेक्टर ने व्यापक तैयारियों के निर्देश दिए। साथ ही मकर संक्रांति और मौनी अमावस्या स्नान पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाने को भी कहा। इसके अलावा जल सुरक्षा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए काम करने के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की तराना की सीडीपीओ (परियोजना अधिकारी) कीर्ति नागर के खिलाफ विभागीय जांच शुरू होगी। विभाग के डीपीओ ब्रजेश त्रिपाठी और तराना के एसडीएम ब्रजेश सक्सेना ने बताया कि नागर लगातार टीएल मीटिंग को अटेंड नहीं कर रही है। इसलिए कार्रवाई के दायरे में आई हैं। वहीं बगैर सूचना के मीटिंग से अनुपस्थित रहने पर जिला खेल अधिकारी ओपी हारोड़ को भी नोटिस जारी किया जा रहा है। इन दोनों पर कार्रवाई के लिए कलेक्टर ने निर्देश दिए है।

### उज्जैन में 509 करोड़ की सीवरेज परियोजना का अधूरा काम

# पूरा करने से टाटा कंपनी ने हाथ खींचे, काम किया बंद

**निगम की तरफ से वैधानिक कार्रवाई नहीं की जा रही**

**आठ बार समयसीमा बढ़ाने के बावजूद काम अधूरा**

**डेढ़ वर्ष पहले भुगतान रोकने पर किया था काम बंद**

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

समय से पिछड़ी 509 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी सीवरेज परियोजना का अधूरा काम पूरा करने से ह्यब्लैक लिस्टह्ण हैदराबाद की टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड कंपनी ने हाथ पीछे खींच, साइट पर काम बंद कर दिया है। महत्वपूर्ण विषय ये है कि इस मनमानी पर निगम की तरफ से न ठेका समाप्त किया जा रहा है और ना ठेकेदार फर्म के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रोजेक्ट की निगरानी कर रही

**कंपनी को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए थे**

मालूम हो कि सीवरेज प्रोजेक्ट में लगातार देरी, वादाखिलाफी और अत्यंत धीमी प्रगति को देखते हुए नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने 19 नवंबर 2025 को टाटा प्रोजेक्ट्स को तीन वर्षों के लिए निगम के सभी विभागों से ब्लैकलिस्ट कर दिया था।

कंसल्टिंग फर्म के अनुसार टाटा कंपनी ने अपने पेटी कॉन्ट्रेक्टर और मटेरियल सप्लायरों के बिलों का भुगतान भी नहीं किया है। ये बिल 20 करोड़ से अधिक राशि के हैं।

### सर्द हवा से ठिठुरा ग्वालियर-चंबल; तेज ठंड-कोहरे का असर भी

# संक्रांति बाद नया सिस्टम...मावठा गिरने के आसार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 15 जनवरी से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, यह सिस्टम स्ट्रॉन्ग है। इस वजह से 2 से 3 दिन बाद एमपी के उत्तरी हिस्से में मावठा गिरने के आसार है। इससे पहले ग्वालियर, चंबल, रीवा और सागर संभाग में मध्यम कोहरा और तेज ठंड का असर बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में मध्यम कोहरा रहा। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, खजुराहो, गुना, शिवपुरी, शाजापुर, सीहोर में भी कोहरा है। हालांकि, विजिबिलिटी 1 से 2 किलोमीटर तक है।

वहीं, उत्तरी हिस्से में सर्द हवाओं का असर बना रहेगा। वजह यहां बर्फीली हवाएं सीधे आना है। तेज सर्दी होने से ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से नीचे चल रहा है। दतिया, श्योपुर जैसे जिलों में भी सर्दी का असर बरकरार है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और उज्जैन में पारा 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है।

**छा रहा कोहरा, ट्रेनों की टाइमिंग पर असर**

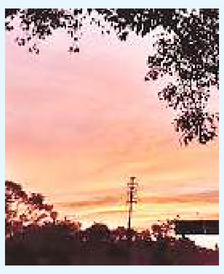

नए साल में प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का असर है। इस वजह से दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन आने वाली ट्रेनें निर्धारित समय से लेट हो रही है। इनमें सबसे ज्यादा असर मालवा एक्सप्रेस में हो रहा है। इसके अलावा पंजाब मेल, जनशताब्दी, झेलम, सचखंड एक्सप्रेस समेत एक दर्जन ट्रेनें भी प्रभावित हो रही है।

**शहडोल का कल्याणपुर प्रदेश में सबसे ठंडा**

रविवार-सोमवार की रात प्रदेश के पांच बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 9 डिग्री, इंदौर में 9.6 डिग्री, उज्जैन में 9.4 डिग्री और जबलपुर में 9.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, कल्याणपुर में तापमान 4.8 डिग्री दर्ज किया गया। दतिया में 5.4 डिग्री, राजगढ़-पचमढ़ी में 5.6 डिग्री, मंडला में 5.9 डिग्री और खजुराहो में 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में पारा 10 डिग्री से नीचे ही रहा। सोमवार को दिन में दतिया सबसे ठंडा रहा। यहां अधिकतम तापमान 19.8 डिग्री दर्ज किया गया। ग्वालियर में 21.8 डिग्री, पचमढ़ी में 21.2 डिग्री, नौगांव में 21.6 डिग्री, रीवा में 22.2 डिग्री, खजुराहो-श्योपुर में 22.6 डिग्री और मलाजखंड में तापमान 22.8 डिग्री रहा।

### स्वामी विवेकानंद जयंती पर उज्जैन ने बनाया रिकॉर्ड

# एक साथ 4000 छात्रों ने किया सूर्य नमस्कार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

लोक शिक्षण संचालनालय के निदेर्शानुसार स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर दशहरा मैदान में जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 4,000 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रदेश स्तर से प्रसारित रेडियो कार्यक्रम के निदेर्शानुसार एक साथ सूर्य नमस्कार किया।

जिला स्तरीय सूर्य नमस्कार कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संदेश भी प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, संजय अग्रवाल, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कुमठ सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक सूर्य नमस्कार की 12 क्रियाओं को तीन बार पूर्ण किया।

**विधायक से लेकर अफसर तक रहे मौजूद**

रेडियो से प्रसारित निदेर्शों के अनुसार निर्धारित समय पर विद्यार्थियों ने अनुशासन के साथ सूर्य नमस्कार किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों में शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास का संदेश दिया।

# 6000 भाव के लिए सोयाबीन की बिक्री रोकी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सोयाबीन में आगे 6000 भाव मिलने के संभावना लगने से स्टॉक वालों ने बिक्री रोक दी। सोमवार को सैंपल नहीं चले, जबकि अब तक 10000 बोरी सोयाबीन स्टॉक ऊंचे भाव पर बिक गया। इधर भाव में लगातार तेजी रहने से सोयाबीन का व्यापार यूटर्न लेते हुए स्टॉक बिक्री को रोक रहा है।

इतनी बड़ी तेजी विदेश की तेल निर्यात नीति के तहत सप्लाई रोक देने से भाव में एकतरफा तेजी लाई जा रही है। दौलतगंज तेल बाजार में 15 किलो का डब्बा 10 रुपए बढ़कर 22-20 रुपए कर दिया है। 6 दिन में 15 किलो डिब्बे में 70 रुपए तेजी लाई गई है। इतनी अधिक भाव पर व्यापार कम होने लगा है। नीमच लाइन के सोयाबीन प्लांट के भाव 5150 के चल रहे हैं। सोयाबीन कारोबारी आशीष मेठी ने बताया उज्जैन मंडी में प्लांट का सोयाबीन 5050 से 5140 रुपए तक बिका, जबकि बीज टच 5200 से 6200 बिका। 3.30 करोड़ का सोयाबीन मंडी नीलाम में बेचा।

इसमें 75% भावांतर योजना का सोयाबीन बिका था। मंडी नीलाम में सोयाबीन को लेकर चर्चा आम है। मंडी से जुड़े लोग नीलामी में उपज मांगते हैं। साफ-सफाई के बहाने से मांगी जा रही उपज को रोका जाना जरूरी है। किसान कमल पटेल के अनुसार मंडी में भिखारी की क्या आवश्यकता है।

### तकीया मस्जिद हत्याकांड: एक की जेल में मौत, एक फरार

# 5 साल बाद 3 को मिला आजीवन कारावास

**तकिया मस्जिद के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी**

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

डागर परिवार की बहू से जुड़े विवाद के बाद 2017 में तकीया मस्जिद के सामने हुई बबलू उर्फ संतोष डागर की हत्या मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया। पांच साल चली सुनवाई के बाद तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दी गई। एक आरोपी की जेल में मौत हो चुकी है, जबकि एक अब भी फरार है।

डागर परिवार की बहू को लेकर पांच साल पहले तकिया मजिस्द के पास हुई हत्या मामले का कोर्ट ने फैसला सुना दिया। तीन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। एक आरोपी की जेल में मौत हो चुकी थी। एक अब तक फरार है। 9 मई 2017 को लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करने वाले अनिल डागर के भाई बबलू उर्फ संतोष डागर की चारधाम मंदिर मार्ग तकिया मस्जिद के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

**कालू की जेल में हुई मौत**

हत्याकांड के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के साथ कालू सरसवाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहां सालभर बाद कालू की मौत हो गई थी। परिजनों ने डागर परिवार पर जेल में हत्या करवाने का आरोप लगाया था, लेकिन जेल प्रशासन ने हार्ट अटैक से मौत होने की बात कही थी। डागर परिवार और सरसवाल परिवार में काफी अच्छे संबंध थे। मार्च 2017 में अनिल डागर की पत्नी लापता हो गई थी। डागर परिवार ने कालू सरसवाल के भाई पवन पर अपहरण का आरोप लगाया था, जिसके बाद से दोनों परिवारों में दुश्मनी हो गई थी।

### नए साल की पहली गुप्त नवरात्रि 19 जनवरी से शुरू होगी, समापन 27 जनवरी को होगा

# सर्वार्थसिद्धि योग के संयोग में मनाई जाएगी गुप्त नवरात्रि

**साल में कुल 4 बार मनाई जाती हैं नवरात्रियां**

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नए साल की पहली गुप्त नवरात्रि 19 जनवरी से शुरू होगी। इस अवसर पर कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 8.34 से 9.59 बजे तक रहेगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12.13 से 12.58 बजे तक रहेगा। गुमानदेव हनुमान पीठ के पंडित चंदन श्याम नारायण व्यास ने बताया कि माघ मास में नौ दिनों तक मनाई जाने वाली गुप्त नवरात्रि का आरंभ सर्वार्थसिद्धि योग के महासंयोग में होगा। नवरात्रि का समापन 27 जनवरी को होगा। इस दौरान साधक तंत्र, मंत्र और यंत्र की सिद्धि के लिए गुप्त साधना करेंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष में कुल चार

नवरात्रियां मनाई जाती हैं, जिनमें दो प्रकट और दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। माघ और आषाढ़ मास की नवरात्रियां गुप्त, जबकि चैत्र और अश्विन मास की नवरात्रियां प्रकट नवरात्रि कहलाती हैं। माघ मास की गुप्त नवरात्रि शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक रहती है, जिसमें कई विशेष पर्व भी आते हैं। इनमें गौरी तृतीया, वरद तिल कुंद चतुर्थी, बसंत पंचमी, नर्मदा जयंती, आरोग्य सप्तमी और भीष्म अष्टमी प्रमुख हैं।

**कब होगा गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ?**

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, प्रतिपदा तिथि को उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, वज्र योग और मकर राशि में चंद्रमा की उपस्थिति में गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ होगा। मध्याह्न काल में अभिजीत मुहूर्त के दौरान सर्वार्थसिद्धि योग का विशेष संयोग रहेगा। इस योग को सभी शुभ और मांगलिक कार्यों को सफल बनाने वाला माना जाता है। मान्यता है कि इस योग में की गई साधना और आराधना शीघ्र फलदायी होती है। प्रकट नवरात्रि में देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है, जबकि गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की विशेष पूजा होती है। प्रकट नवरात्रि सांसारिक सुखों और इच्छाओं की पूर्ति के लिए मानी जाती है, वहीं गुप्त नवरात्रि मनोकामना सिद्धि और मोक्ष प्राप्ति के लिए की जाती है। प्रकट नवरात्रि वैष्णव परंपरा से और गुप्त नवरात्रि शैव एवं शाक्त परंपरा से जुड़ी मानी जाती है।

# विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

रविवार को रानी लक्ष्मीबाई बस्ती का विराट हिन्दू सम्मेलन शालिगराम तोमर विद्यालय दौलतगंज मालीपुरा में आयोजित किया गया कार्यक्रम में बस्ती के सभी मातृशक्ति, युवाओं एवं सभी समाजजनो ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता की तथा सहभोज किया। पिंकेश चौहान द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी गई, अतिथियो का परिचय प्रमोद वधवानी द्वारा लिया गया।

तत्पश्चात कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात के परम पूज्य नृत्यगोपालदास के कृपापात्र शिष्य महन्त राघवेंद्रदास महाराज, रेखा मेहता एवं मुख्य वक्ता धर्मेंद्र प्रताप सिंह का उद्बोधन हुआ।

महंत राघवेंद्रदस ने अपने वक्तव्य में हिन्दू संस्कृति एवं श्री राम, श्री कृष्ण को केंद्र में रख कर आने वाली पीढ़ी में संस्कारो का सृजन कैसे किया जाए इस पर प्रकाश डाला, श्रीमती रेखा मेहता जी द्वारा पंच परिवर्तन एवं भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति की भूमिका पर प्रकाश डाला, धर्मेंद्र सिंह ने संघ के सौ वर्षों की यात्रा पर अपने विचार रखे।

तत्पश्चात बस्ती क्षेत्र में रहने वाले खिलाड़ियों द्वारा मलखंब, रोप मलखंब, की प्रस्तुति दी गई जिसमे वैष्णवी बारोड़ द्वारा आँखों पर पट्टी बांधकर रोप मलखंब का प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बस्ती के ही कलाकार गुरु कृपा सांस्कृतिक मण्डल मालीपुरा द्वारा लोक गीतों की प्रस्तुति दी गई । कार्यक्रम का संचालन आदित्य साँखला द्वारा किया गया, आभार सागर पटेल एवं भव्य पांचाल ने माना। कार्यक्रम की जानकारी रानी लक्ष्मीबाई बस्ती हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति के संयोजक ओमप्रकाश हारोड़ ने दी।

# सरल मन ही संवेदनशील

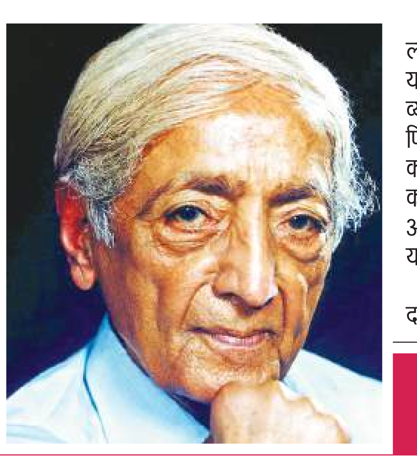

धार्मिक व्यक्ति वास्तव में वह नहीं है, जो चोंगा पहनता है या लंगोटी धारण करता है, जो दिन में बस एक बार भोजन करता है या फिर जिसने विधि-निषेध के अनगिनत व्रत ले रखे हैं; धार्मिक व्यक्ति वह है, जो अपने अंतर में सरल है; जो कुछ बनने की फिराक में नहीं है। ऐसे मन में असाधारण ग्रहणशीलता होती है, क्योंकि वहां कोई अवरोध नहीं है, कोई भय नहीं है, किसी लक्ष्य की ओर बढ़ना नहीं है। ऐसा मन अनुकंपा को, ईश्वर को, सत्य को अथवा जो कुछ भी नाम आप दें, उसे ग्रहण करने में सक्षम होता है। यथार्थ के पीछे दौड़ने वाला मन सरल नहीं है।

वह मन, जो ढूंढ़ रहा है, पता लगा रहा है, टटोल रहा है, दरअसल विक्षुब्ध है, वह सरल नहीं है। जो मन अंदर या बाहर से किसी भी दबाव के सांचे में ढलने का प्रयत्न कर रहा है, वह संवेदनशील नहीं हो सकता। जब मन वास्तव में संवेदनक्षम होता है, अर्थात अपने साथ घटित होने वाली तमाम प्रक्रियाओं के प्रति, अपने प्रत्युत्तरों और विचारों के प्रति सजग होता है; जब मन कुछ बन नहीं रहा होता, कुछ होने के लिए अपने को किसी सांचे में नहीं ढाल रहा होता, केवल तभी वह सत्य को ग्रहण करने की क्षमता रखता है। जब मन तथा हृदय सरल, संवेदनशील हो जाते हैं, किसी प्रकार के दबाव, निर्देश, या आरोपण से नहीं, तब हम देखेंगे कि हमारी समस्याएं बड़ी सरलता से हल की जा सकती हैं। वे कितनी भी जटिल क्यों न हो, उन्हें हम एक नई दृष्टि से, अलग ढंग से देख पाएंगे। कोई भी समस्या हो, उसका हल इसी दृष्टिकोण से हो सकता है। यदि हम विचार के किसी ढर्रे में सोचते रहते हैं, चाहे वह धार्मिक हो या राजनीतिक या कोई और, हम उस समस्या को नए ढंग से नहीं ले सकते। अतः सरल होने के लिए हमें इन सबसे मुक्त होना होगा। इसलिए स्वयं अपनी विचार की प्रक्रिया के प्रति सचेत होना, उसे समझने की क्षमता रखना तथा स्वयं को समग्रता में जान लेना अत्यधिक आवश्यक है। इसी से एक प्रकार की सरलता आती है, विनयशीलता आती है, जो न तो सद्गुण है और न ही कोई अभ्यास। गौर कीजिए, जिस विनयशीलता को अर्जित करना पड़े, वह विनयशीलता रह ही नहीं जाती। ह मन जो अपने को विनम्र बनाता है, विनम्र नहीं होता। जब सच्ची विनयशीलता होती है- प्रयत्न से प्राप्त की हुई नहीं- तभी जीवन की मुंह बाए खड़ी समस्याओं का मुकाबला किया जा सकता है, क्योंकि तब व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, तब वह सिर्फ अपनी कठिनाइयों और अपने महत्व के नजरिये से नहीं देखता, वह समस्या को सीधे-सीधे देख पाता है और तभी वह उसका समाधान कर सकता है।



सम्पादकीय

## ईरान में बगावत

ईरान में चल रही बगावत पर पूरी दुनिया की निगाह स्वाभाविक है। ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली मजहबी सरकार के खिलाफ लगातार तीसरे सप्ताह राष्ट्रव्यापी विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। इसमें महिलाओं की बड़ी भागीदारी है और वे हिजाब या बुर्के से आजादी के लिए बेचैन लग रही हैं। ईरान में बदलाव चाहने वालों ने एक अलग ही ध्वज बना लिया है और जहां भी मौका मिल रहा है, वहीं वे ईरान के वर्तमान ध्वज को हटाकर अपना ध्वज लगा दे रहे हैं। ऐसा नहीं है कि ईरानी प्रशासन चुपचाप सब कुछ देख रहा हो। प्रतिदिन वहां लोग मारे जा रहे हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका अशांति पर कड़ी नजर रख रहा है और हरसंभव विकल्पों पर विचार कर रहा है। एक बड़ी आशंका यह है कि अमेरिका सैन्य हस्तक्षेप कर सकता है। फिलहाल, वह ईरान में विरोध-प्रदर्शनों को लगातार हवा दे रहा है और इसके नतीजे घातक हो सकते हैं।

क्या अमेरिका पूरी सावधानी से ईरान में बदलाव को अंजाम देगा? क्या बाकी पश्चिमी देश अमेरिका या ईरान में बदलाव के पक्ष में हैं? ध्यान रहे, साल 2022 में भी ईरान में बदलाव के लिए प्रदर्शन हुए थे, लेकिन वहां की सरकार ने उस विरोध को कुचल दिया था। इस बार भी यही हो रहा है, विरोध को बेरहमी से कुचला जा रहा है। वर्तमान शासन को भी अपने बचाव का हक है। वैसे, एक बड़ा जोखिम यह है कि विद्रोह को हवा देकर अमेरिका पीछे न हट जाए। दुनिया में अनेक देश हैं, जहां पर ऐसे विरोध हुए हैं, कभी लोकतंत्र के पक्ष में, तो कहीं कट्टरपंथ के खिलाफ, लेकिन अक्सर देखा गया है कि एक सीमा के बाद पश्चिमी देश पीछे हट जाते हैं। आज यूक्रेन अगर युद्ध झेल रहा है, तो इसके लिए पश्चिमी देश और नाटो के देश भी जिम्मेदार हैं। किसी को विरोध के लिए उकसा देना आसान है, लेकिन विरोधियों की प्राण-रक्षा के लिए जमीन पर उतरना मुश्किल है। जब कोई देश तबाह होने लगता है, तब उसके निकट समर्थक भी मुंह चुराने लगते हैं। अमेरिका यह बात जानता है कि ईरानी प्रदर्शनों में 540 से अधिक लोग मारे गए हैं और 10,000 से ज्यादा लोग गिरफ्तार हुए हैं। इन देशों में जो कट्टरता देखी जाती है, वह अपने साथ बर्बरता भी लाती है। बगावत करने वालों को बर्बरता झेलनी पड़ती है। यह दुआ जरूर करनी चाहिए कि ईरान में कम से कम बर्बरता हो। ईरान में अमेरिका क्या इंसानियत को लहूलुहान होने से बचा सकता है?

### मकर संक्रांति पर विशेष

# मकर संक्रांतिः पतंगबाजी, आनंद, संस्कृति और चेतना

डॉ सत्यवान सौरभ
(दैनिक अवन्तिका)

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति में सिर्फ. एक तारीख वाला त्योहार नहीं है, बल्कि यह मौसम के बदलाव, सामाजिक जीवन और लोक संस्कृति का एक रंगीन रूप है। यह वह समय है जब सूरज दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर जाता है और प्रकृति और मानव जीवन दोनों में नई ऊर्जा आती है। इस त्योहार के साथ सदियों पुरानी पतंग उड़ाने की परंपरा को भी सदियों का साथ मिला है। अपने पूरे इतिहास में, यह सिर्फ. मनोरंजन तक ही सीमित नहीं रहा है और इसमें सामाजिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य से जुड़े पहलू भी जुड़े हैं। हालांकि अब पतंग उड़ाना छत पर खड़े होकर और डोर खींचने का खेल नहीं रहा, आजकल यह सामूहिक उत्सव, मानसिक खुशी और शारीरिक व्यायाम का प्रतीक है।

भारत में पतंग उड़ाने को एक बहुत पुरानी परंपरा माना जाता है। इसका ज़िक्र इतिहास और लोककथाओं में मिलता है। यह शाही महलों में पराक्रम और चतुराई का प्रतीक हुआ करता था, लेकिन समय के साथ यह जीवन की रोजमर्रा की जरूरत बन गया है। मकर संक्रांति, बसंत पंचमी और अन्य उत्सवों के दौरान आसमान में उड़ती रंग-बिरंगी पतंगें भारतीय समाज की सामान्य जागरूकता और उत्सव का संकेत हैं। यह त्योहार न केवल एक परंपरा है, बल्कि हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में एक बड़ा सामाजिक आयोजन भी है।

पतंगबाजी खेल का सबसे खूबसूरत सामाजिक पहलू है। यह लोगों को उनके घरों से बाहर निकालता है और उन्हें दूसरों से जोड़ता है। छतों पर बातचीत, बच्चों की हंसी, युवाओं की प्रतियोगिताएं और बुजुर्गों की मुस्कान, ये सभी दृश्य इस त्योहार को जीवंत बनाते हैं। ₹वो काटा... वो मारा₹ की गूंज न केवल खेल की तीव्रता है, बल्कि एक साथ सुनाई देने वाली आवाज भी है। आधुनिक युग में जहाँ सामाजिक मेलजोल कम हो रहा है, ऐसे त्योहार एक विकल्प हैं जिनका उपयोग मानवीय संबंधों को बनाए रखने के लिए किया जा सकता है। मकर संक्रांति के दौरान आयोजित होने वाले पतंग उत्सवों और सामूहिक

कार्यक्रमों के साथ इस परंपरा ने एक नया मोड़ लिया है। ऐसे आयोजन स्थानीय सरकारों, सामाजिक संस्थानों, स्वैच्छिक संस्थानों द्वारा अलग-अलग जगहों पर एक साथ किए जाते हैं, ताकि न केवल मनोरंजन, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण, सामाजिक सह-अस्तित्व भी हासिल किया जा सके। इन आयोजनों में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे समान रूप से शामिल होते हैं, जिससे यह समाज के सभी वर्गों का त्योहार बन जाता है, न कि सिर्फ. समाज के एक हिस्से का। पतंग उड़ाना एक ऐसा खेल है जिसके कई स्वास्थ्य फायदे हैं और इसे आमतौर पर एक मौसमी खेल माना जाता है। पतंग उड़ाने से शरीर के ज्यादातर हिस्सों की कसरत होती है, जिसमें हाथ, कंधे और आँखें शामिल होती हैं, जिससे शरीर एक्टिव रहता है। बाहर घूमने से शरीर को सूरज की रोशनी मिलती है और मानसिक थकान दूर होती है। डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसी ग्रुप और मजेदार एक्टिविटीज तनाव कम करने में मदद कर सकती हैं।

पतंग उड़ाना मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। खुले आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों को उड़ते देखना मन को खुशी और सुकून देता है। यह आपको वर्तमान पल में लाता है और एक तरह से सहज ध्यान का अनुभव कराता है। आज लोग जिस तेज रफ़्तार और तनाव भरी ज़िंदगी जी रहे हैं, उसमें मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए ऐसे अनुभव भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं। यह न सिर्फ. मनोरंजन है, बल्कि बच्चों के लिए शिक्षाप्रद भी है जब वे पतंग उड़ाते हैं। यह धैर्य, संतुलन, तालमेल और प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करता है। हवा की दिशा के बारे में जानना, डोर का सही तनाव, समय पर सही फैसले लेने की क्षमता, ये सभी क्षमताएँ बच्चों में फैसले लेने की क्षमता को मजबूत कर सकती हैं। इसके अलावा, जब यह अभ्यास परिवार के माहौल में किया जाता है, तो यह बच्चों में सामाजिक मूल्यों और सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ाता है।

फिर भी, पतंग उड़ाने को खुशी और रोमांच के उत्सव के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन यह सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को भी दिखाता है। समय के साथ, चीनी मांझे और नायलॉन की डोर से कई गंभीर दुर्घटनाएँ हुई हैं। यह न सिर्फ. इंसानों के लिए जानलेवा रहा है, बल्कि पक्षी और दूसरे जानवर भी मारे गए हैं। सड़क दुर्घटनाएँ, गले कटना और पक्षियों की मौत, ये सब इस परंपरा के विकृत रूप का सबूत हैं। सरकार और प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों से किया गया है जो काफी नहीं हैं। यह जरूरी है कि लोग इसके बारे में जागरूक हों और ज़िम्मेदारी की भावना विकसित करें। पतंगों को सूती धागे, सुरक्षित और खुली जगहों, बच्चों की देखरेख और समय पर ध्यान देने जैसी चीजों से सुरक्षित बनाया जा सकता है, ये सभी उपाय पतंग उड़ाने की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि त्योहार की खुशी किसी के लिए दुख का कारण न बने।

पतंग उड़ाने को पर्यावरण के नजरिए से भी दोबारा देखने की जरूरत है। पतंग का कचरा पेड़ों, बिजली की तारों और सड़कों पर भी पहुँच जाता है, जिससे पर्यावरण संबंधी चुनौतियाँ पैदा होती हैं। प्लास्टिक और नायलॉन की पतंगें लंबे समय तक नष्ट नहीं होतीं और वे वन्यजीवों के लिए खतरनाक होती हैं। इसलिए, इस समय इको-फ्रेंडली पतंगों और प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल जरूरी है। ज्यादातर सोशल ऑर्गनाइजेशन और वॉलंटियर ग्रुप ये अच्छे प्रयास कर रहे हैं। वे बच्चों और युवाओं को सुरक्षित और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील पतंग उड़ाने के लिए मोटिवेट कर रहे हैं। स्कूलों और सोशल फोरम में जागरूकता फैलाई जा रही है ताकि परंपरा और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे। बदलते समय के साथ पतंग उड़ाना भी बदल रहा है। अब यह सिर्फ. छतों तक सीमित नहीं रहा। डिजिटल और सोशल मीडिया ने इसे इंटरनेशनल पहचान दी है। पतंग उत्सव के वीडियो और फोटो पूरी दुनिया में घूम रहे हैं। इसी तरह, विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय मकर संक्रांति पर पतंग उत्सव मनाकर अपनी संस्कृति से जुड़े रहते हैं।

## खुशियों और सीख का पर्व

गोपाल कौशल
(दैनिक अवन्तिका)

भारत पर्वों का देश है। यहाँ हर त्योहार अपने साथ कोई न कोई संदेश लेकर आता है। मकर संक्रांति ऐसा ही एक सुंदर पर्व है, जो हर साल जनवरी महीने में मनाया जाता है। यह पर्व हमें प्रकृति, परंपरा और सद्भाव का महत्व समझाता है।

मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिन से सूर्य उत्तर दिशा की ओर बढ़ने लगते हैं, जिसे उत्तरायण कहा जाता है। इसी कारण दिन धीरे-धीरे बड़े होने लगते हैं और ठंड कम होने लगती है। किसान भाई-बहनों के लिए यह समय बहुत खास होता है, क्योंकि खेतों में नई फसल पककर तैयार होती है। इसलिए मकर संक्रांति को फसल का त्योहार भी कहा जाता है। इस पर्व पर घर-घर में विशेष पकवान बनाए जाते हैं। तिल और गुड़ से बने लड्डू, चिक्की और मिठाइयाँ बहुत पसंद की जाती हैं। तिल-गुड़ हमें सिखाते हैं कि जैसे ये दोनों अलग-अलग होकर भी मिलकर मीठे बन जाते हैं, वैसे ही हमें भी आपस में मिलजुलकर, मधुर वाणी में रहना चाहिए। मकर संक्रांति की सबसे बड़ी पहचान पतंग उड़ाना है। इस दिन नीला आकाश रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है। बच्चे छतों पर, मैदानों में बड़े उत्साह से पतंग उड़ाते हैं। वो काटा! की आवाजें वातावरण को आनंद से भर देती हैं। पतंग उड़ाना हमें खुशी तो देता है, लेकिन इसके साथ सावधानी भी बहुत जरूरी है।

आजकल कुछ लोग खतरनाक चायना डोर का उपयोग करते हैं, जो बहुत नुकसानदायक है। इससे बच्चों के हाथ कट सकते हैं, पक्षी घायल हो जाते हैं और कई बार गंभीर दुर्घटनाएँ भी हो जाती हैं। इसलिए हमें हमेशा सुरक्षित, सूती और देसी डोर का ही उपयोग करना चाहिए। सच्चा उत्सव वही है, जिसमें किसी को चोट न पहुँचे। मकर संक्रांति हमें यह भी सिखाती है कि हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए। सूर्य, धरती, फसल और पशु—सब हमारे जीवन का आधार हैं। इस दिन कई स्थानों पर लोग दान-पुण्य करते हैं, जरूरतमंदों की मदद करते हैं और बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं। इससे हमारे मन में करुणा और सेवा की भावना बढ़ती है।

## पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 14 जनवरी 2026 बुधवार
सूर्योदय - 07:14 सूर्यास्त 17:57
माघ मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 12:00 से 13:30 तक
तिथि - एकादशी 17:56 उपरांत द्वादशी
नक्षत्र - अनुराधा 03:04 उपरांत ज्येष्ठा
योग - गण्ड 19:55 उपरांत वृद्धि
करण - बालव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण वृश्चिक में रहेगा।
मुस्लिम मास - रज्जब मास 24

**मेष-** स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**वृषभ-** आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा।

**मिथुन-** दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

**कर्क-** अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

**सिंह-** स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा।

**कन्या-** यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

**तुला-** व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

**वृश्चिक-** काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

**धनु-** सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। जोखिम न उठाएं।

**मकर-** लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा।सफलता के साधन जुटेंगे। नए लोगों से संपर्क होगा।

**कुंभ-** प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

**मीन-** परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
( भरदीवाले ) 9926034545

### मकर संक्रांति :

## अंधकार से प्रकाश, जड़ता से सक्रियता और स्वार्थ से सामूहिकता की यात्रा का पर्व

डा मनमोहन प्रकाश
(दैनिक अवन्तिका)

भारतीय पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि वे जीवन को प्रकृति और ब्रह्मांड से जोड़ने वाली सुव्यवस्थित जीवन-पद्धति हैं। मकरसंक्रांति इसका श्रेष्ठ उदाहरण है, जहाँ धर्म, विज्ञान, खगोल और जीवनशैली का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। यह वह कालखंड है जब प्रकृति, मनुष्य और समाज- तीनों एक साथ दिशा परिवर्तन करते हैं। इसी कारण इसे काल-परिवर्तन का पर्व भी कहा गया है।अंधकार से प्रकाश की यात्रा का स्पष्ट संकेत खगोल विज्ञान में मिलता है। इस दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है और उत्तरायण का आरंभ होता है। दिन बड़े होने लगते हैं और रात्रि का अंधकार क्रमशः कम होने लगता है। यह केवल भौतिक प्रकाश का विस्तार नहीं, बल्कि ज्ञान, आशा और सकारात्मकता का प्रतीकात्मक संदेश भी है। भारतीय मनीषा में सूर्य को मात्र खगोलीय पिंड नहीं, बल्कि जीवन-ऊर्जा और चेतना का स्रोत माना गया है। जड़ता से सक्रियता की ओर बढ़ने का यह समय शरीर और मन,दोनों के लिए निर्णायक है। शीत ऋतु में बढ़ा आलस्य और निष्क्रियता मकरसंक्रांति के साथ समाप्त होने लगती है। सूर्य की ऊष्मा पुनः सक्रिय होकर शरीर में ऊर्जा का संचार करती है। इसी भावभूमि में पतंगबाजी, स्नान और खुले आकाश के नीचे सामूहिक गतिविधियाँ केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सक्रिय जीवनशैली के प्रतीक बन जाती हैं।

स्वार्थ से सामूहिकता की यात्रा इस पर्व की सबसे मानवीय विशेषता है। हृतिल-गुड़ह्व का आदान-प्रदान केवल स्वाद का नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द और मधुर संबंधों का संदेश है, जिसमें कड़वाहट छोड़कर मधुरता अपनाने का सांकेतिक आग्रह। दान की परंपरा समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम बनती है, जिससे सामाजिक संतुलन और समरसता बनी रहे। अतः मकरसंक्रांति हमें यह सिखाती है कि जैसे प्रकृति ऋतु परिवर्तन के साथ स्वयं को ढालती है, वैसे ही मनुष्य को भी अपनी सोच, दृष्टि और आचरण में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहिए। आज जब समाज में अंधकार, जड़ता और स्वार्थ की प्रवृत्तियाँ प्रबल हो रही हैं, तब मकरसंक्रांति जैसे पर्व हमें स्मरण कराते हैं कि प्रकाश, सक्रियता और सामूहिकता ही सच्चे और सतत विकास का मार्ग हैं।

## मकर संक्रान्ति

आया है पर्व अति विशेष लेकर ₹आनंद₹ शुभकामनाएं,
आदित्य का मकर राशि में हुआ प्रवेश बढ़ी संभावनाएं,
झूमेगी फसलें लहलहाएगें खेत भास्कर हुए उत्तरायण,
स्वीकारेंगे ईश अब सभी की भावों भरी सारी प्रार्थनाएं ।
बाल, युवा, वृद्ध, नर-नारी प्रसन्न हुआ है मनस प्रत्येक,
संपूर्ण भारत में प्रसिद्ध त्यौहार एक जिसके नाम अनेक,
लोहड़ी, पोंगल, बिहू, मकर संक्रान्ति उत्सव है मनहरण,
जनमानस के जीवन में करता ये खुशियों का अभिषेक ।
जीवन को भर देता दुआओं से यह महोत्सव है सुखकर,
तिल स्नान दान धर्म शुभ कर्मों को करने का सुअवसर,
प्रकृति को कर आभार नवीन खुशियों को देंगे आमंत्रण,
रंगीली पतंगों संग आसमान में हुड़दंग करेंगे हॉ जमकर ।
भारत बसता है हर एक घर में झलकती है छवि सुनहरी,
हर राज्य है खुशहाल जहॉ और खिली-खिली हर नगरी,
विभिन्नताओं में अनेक कलाओं में भारतवासी विलक्षण,
विविधताओं में भी यहॉ धूम मची है एकता की गहरी ।

– मोनिका डागा

# मकर संक्रांति पर दान-पुण्य के साथ स्नान की परंपरा, क्यों?

डॉ. बी.आर. नलवाया,
(दैनिक अवन्तिका)

मकर संक्रान्ति अन्य त्योहारों की तरह एक प्रमुख त्योहार के रूप में जनवरी माह में मना जाता है। सूर्यदेव जब धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तो इसे मकर संक्रान्ति कहा जाता है। हम इस त्योहार का विगत कई वर्षों से 14 जनवरी को मनाते आये हैं। 14 जनवरी 2026 को एकादशी एवं बुधवार होने के कारण पुण्य काल 15 जनवरी, 2026 को ही करना चाहिए। 14 जनवरी को सूर्य दोपहर के लगभग 3:13 बजे धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश कर रहे है। इसलिए एकादशी एवं बुधवार भी होने से चावल का सेवन एवं दान करना वर्जित माना जाता है। इसलिए मकर संक्राति का पुण्यकाल पर्व 15 जनवरी 2026 को ही करना ऐसा ज्योतिषाचार्य के मार्गदर्शन व उनके चिंतन को हम ध्यान रखते हुए अपने जीवन में सदैव लाभकारी अवसर अर्जित कर सकते हैं।

देश हमारे देश में अलग-अलग हिस्सों में यह पर्व अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे खिचड़ी, पंजाब में लोहडी, जबकि दक्षिण भारत में पोंगल के रूप में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। असम प्रदेश में इस पर्व को बिहु के नाम से मनाया जाता है। वही देश में सिन्धी समाज भी मकर संक्रान्ति के एक दिन पूर्व उसे लाल लोही के रूप में बड़ी धूमधाम से और हर्षोल्लास से मनाते हैं। इसी तरह गुजरात में पतंगबाजी का भव्य आयोजन किया जाता है, जो हमारे मालवा व मेवाड तथा अन्य राज्यों के क्षेत्रो में इसी तरह की पंतगबाजी के साथ गिल्ली डंडा खेल कर समस्त पुरुष एवं महिलाओं में आनन्द से इस पर्व को मनाने की परंपरा रही है ।

संक्रान्ति से ही ऋतुऐ भी बदलती है। क्योंकि सूर्य का मकर राशि में प्रवेश होने पर इस दिन शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए काले कपडे पहनने से शनिदेव की विशेष कृपा मिलती है मकर संक्राति के दिन इसी संदर्भ में महाराष्ट्र में महिलाऐ काली साड़ी या काले रंग के परिधान पहनती है जबकि पुरुष काले कुते, पजामे या शर्ट पहनते है। यदि इस दिन पीला रंग के परिधान भी पहनते हैं, तो यह भी शुभ माना गया है। क्योंकि पीला रंग समृद्धि, ऊर्जा ओर सकारात्मकता प्रतीक है।

मकर संक्रान्ति पर्व पतंगबाजी के भव्य आयोजन से सांप्रदायिक सौहार्द बनना है। इस तरह यह पर्व मानव जीवन के लिए यह संदेश देता है ,कि भेदभाव भुलाकर एकजुट होकर सभी वर्ग के प्रति प्रेम, आत्मीयता और सम्मान के साथ पतंगबाजी के साथ भाईचारे की भावना से खेलकूद, धूमधाम हर्षोल्लास से मनाये ।शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए काले कपडे पहनने से शनिदेव की विशेष कृपा मिलती है मकर संक्राति को इसी संदर्भ में महाराष्ट्र में महिलाऐ काली साड़ी या काले रंग के परिधान पहनती है जबकि पुरुष काले कुते, पजामे या शर्ट पहनते है। यदि इस दिन पीला रंग के परिधान भी पहनते हैं तो यह भी शुभ माना गया है। क्योंकि पीला रंग सम?दि समृद्धि, ऊर्जा ओर सकारात्मकता प्रतीक है।

मकर संक्रान्ति पर्व पतंगबाजी के भव्य आयोजन से सांप्रदायिक सौहार्द बनना है। इस तरह यह पर्व मानव जीवन के लिए यह संदेश देता है ,कि भेदभाव भुलाकर एकजुट होकर सभी वर्ग के प्रति प्रेम, आत्मीयता और सम्मान के साथ पतंगबाजी के साथ भाईचारे की भावना से खेलकूद, धूमधाम हर्षोल्लास से मनाये ।

### धर्म-आस्था

# एक पर्व, अनेक नाम, एक ही आत्मा – यही है मेरा भारत

अजयकुमार बियाणी
(दैनिक अवन्तिका)

मेरा भारत महान केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की जीवंत संस्कृति, विविध परंपराओं और अद्भुत एकता का सार है। जब देश के अलग-अलग कोनों में एक ही सूर्य-गति को अलग-अलग नामों, रीति-रिवाजों और उल्लास के साथ मनाया जाता है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत की आत्मा कितनी व्यापक और समावेशी है। मकर संक्रांति ऐसा ही एक पर्व है, जो खगोलीय घटना होने के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का उत्सव बन जाता है।

मकर संक्रांति सूर्य के उत्तरायण होने का पर्व है। यह परिवर्तन केवल आकाश में नहीं होता, बल्कि मानव जीवन में भी नई ऊर्जा, नई दिशा और नई आशा का संचार करता है। यही कारण है कि यह पर्व भारत के लगभग हर राज्य में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, और हर रूप अपने भीतर उस क्षेत्र की मिट्टी, श्रम, संस्कृति और आस्था को समेटे होता है।

उत्तर भारत में इसे मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। तिल-गुड़ का सेवन, दान-पुण्य और सूर्य उपासना इस पर्व की पहचान है। माना जाता है कि तिल की गर्म तासीर शीत ऋतु को विदा करती है और गुड़ जीवन में मिठास का संदेश देता है। पंजाब और हरियाणा में यही पर्व लोहड़ी के रूप में प्रकट होता है, जहाँ अग्नि के चारों ओर सामूहिक नृत्य, गीत और उल्लास किसान जीवन की कृतज्ञता को व्यक्त करते हैं। नई फसल के स्वागत का यह उत्सव श्रम और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है। गुजरात और राजस्थान में मकर संक्रांति पतंगोत्सव बन जाती है। नीले आकाश में रंग-बिरंगी पतंगें मानो भारत की आकांक्षाओं को उड़ान देती हैं। छतों पर खड़े लोग जब पतंग की डोर थामते हैं, तो वह केवल खेल नहीं रहता, बल्कि जीवन की ऊँचाइयों को छूने का प्रतीक बन जाता है। इसी समय महाराष्ट्र में तिलगुल का आदान-प्रदान कर यह संदेश दिया जाता है कि तिलगुल घ्या, गोड गोड बोला – अर्थात मधुरता ही सामाजिक जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है।

दक्षिण भारत में यही पर्व पोंगल के नाम से जाना जाता है। तमिलनाडु में सूर्य, धरती और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का यह चार दिवसीय उत्सव श्रमशील जीवन का उत्सव है। उबलते पोंगल का दृश्य समृद्धि और उन्नति का प्रतीक माना जाता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में संक्रांति, कर्नाटक में मकर संक्रामण और केरल में मकरविलक्कु के रूप में यह पर्व आस्था और परंपरा का संगम बन जाता है। पूर्वी भारत में असम का माघ बिहू सामूहिकता और लोकसंस्कृति की सजीव अभिव्यक्ति है। सामूहिक भोज, लोकनृत्य और मेल-मिलाप सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। पश्चिम बंगाल में गंगा सागर मेला मकर संक्रांति की आध्यात्मिक ऊँचाई को दशार्ता है, जहाँ श्रद्धालु गंगा और सागर के संगम पर स्नान कर पुण्य की कामना करते हैं। उत्तराखंड में उत्तरायणी और घुघुतिया जैसे लोकपर्व बच्चों की किलकारियों, लोकगीतों और ग्रामीण सरलता से जीवन को रंग देते हैं। इन सभी नामों, परंपराओं और रूपों के बीच जो एक तत्व समान है, वह है सूर्य के प्रति कृतज्ञता और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि। मकर संक्रांति हमें यह सिखाती है कि परिवर्तन से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उसका स्वागत करना चाहिए। जैसे सूर्य उत्तरायण होकर अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ता है, वैसे ही मनुष्य को भी अपने जीवन में निराशा, जड़ता और कटुता छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए।

आज जब भारत आधुनिकता और तकनीक की ऊँचाइयों को छू रहा है, तब ऐसे पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि हमारी शक्ति केवल आर्थिक या सैन्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक भी है। एक ही पर्व का इतने विविध रूपों में उत्सव मनाया जाना भारत की उस एकता का प्रमाण है, जो विविधता से जन्म लेती है। मकर संक्रांति केवल तिथि नहीं, बल्कि चेतना है। यह हमें संयम, श्रम, सहअस्तित्व और सौहार्द का संदेश देती है। यही वह सूत्र है, जो लोहड़ी की अग्नि, पोंगल की मिठास, बिहू के नृत्य और पतंगों की उड़ान को एक ही भारत-भाव में बाँध देता है। इस पावन अवसर पर देश के हर कोने में मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल, बिहू, उत्तरायणी और संक्रांति मनाने वाले सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

## इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

## आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

## उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2000-2960 चना काबली- 2800-8560, चना बड़ा- 5341-6029, बटला- 1500-3840 बटला- 1500-3840, मसूर- 5601, तिल्ली- 5681-8711, सोयाबीन- 1800-6161, मैथीदाना- 4064-4541, मावा- 280 प्रतिकिलो। सोना-चाँदी- सोना- स्टेण्र्ड- 1,40,482, रवा- 1,40,300 चांदी- टंच- 2,62,742 पाट- 2,62,150।

## उज्जैन किराना

### अशोक कुमार भगवानदास

**152 फवारा चौक उज्जैन**

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

## आमंत्रण

**आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।**

**editor.awantika@gmail.com**

जनजागरूकता के लिए नुक्कड नाटक का मंचन

## मोबाईल का अधिक उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया

**शुजालपुर।** नेकी की दीवार मिर्ची बाजार पर विवेकानंद जयंती पर नई पहल करते हुए श्रीन्वी थियेटर इंदौर के शैलेन्द्र करंजिया के द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को हँसी मजाक में नुक्कड़ नाटक के द्वारा मोबाइल ज्याादा इस्तेमाल करने से होने वाली परेशानियों के बारे में समझाया और मोबाईल पर गेम खेलने के बजाय पुराने पारंपरिक खेलों के बारे में जागरुक किया। साथ युवा पीढ़ी भी नेकी की दीवार सेवा कार्य से प्रेरित हो से समाजसेवा की ओर बढ़ रही है इसके अंतर्गत युवा दर्शन जैन, राघव भट्टर, शाश्वत जैन, दिव्यांश शर्मा, ललित बागवान, अक्षत तिवारी, अंशुल पाटीदार, सार्थक चावड़ा ने निःशुल्क कोचिंग के बच्चों को रजिस्टर, पेंसिल सेट, पेन वितरित किए। धनजी भाई शाह के द्वारा बच्चों को मौसमी फ ल केले और बोर वितरित किए। इस अवसर पर दीपक गोयल, ग्रीष्मा शाह, वीणा गोयल, परमजीत कौर खालसा आदि उपस्थित रहे।

## एमपी ढाबा का कर्मचारी संचालक को रात में चूना लगाकर हुआ रफूचक्कर

**गुना।** नेशनल हाईवे वायपास स्थित न्यू आरटीओ ऑफिस के पास एमपी ढाबा पर काम करने वाला एक कर्मचारी रात करीब पौने चार तडके सुबह लाईट बंद करके संचालक को करीब 40 हजार रुपए

का चूना लगाकर रफूचक्कर हो गया। उक्त कर्मचारी ढाबे पर अन्य कर्मचारियों को सोता ही छोडकर नगदी सहित पुलिया और पाउच लेकर चलता बना। इस संबंध में संचालक अशोक रजक और उनकी माँ मुन्नीबाई ने कैन्ट थाने में शिकायत की है। थाने में पुलिस को दिए गए शिकायती आवेदन में पीड़ित ढाबा संचालक ने उल्लेख किया है कि उनके ढाबे पर कैलाश सोनी राजगढ़ ब्यावरा का रहने वाला नाइट ड्यूटी में काम करता था। अशोक रजक ने बताया कि 10:30 बजे हिसाब किताब कैलाश को देकर घर चले गए थे। इसके बाद वह रात को 3:41 पर ढाबे की पूरी लाइट को बंद कर दुकान से राजश्री पुडि?ा, विमल, सिगरेट के पैकेट थैली में भरकर गल्ला पेटी में रखी सारी रकम लेकर रातों-रात फरार हो गया और ढाबे पर दिन में जो कर्मचारी काम करते थे वह सोते रहे। सुबह जब उनकी माता 7 बजे ढाबे पर पहुंची और उसको ढूंढने का प्रयास किया तो वह नहीं मिला। इसके बाद उनकी मां ने अशोक को फोन किया तब उन्होंने सारी स्थिति बताई। उक्त सूचना पर जाकर उन्होंने सामान को चेक किया तो दुकान से रजिस्टर की एंट्री अनुसार 5900 कुछ रुपए मैं पेटी में छोड़े थे और रात की दुकानदारी थी। इस तरह लगभग 10 से 15000 हजार नगदी और 15 से 20 हजार की पुडि?ा, बीड़ी, सिगरेट और किराने का सामान भरकर फरार हो गया। जिसकी सूचना लिखित में कैंट थाने को दी गई है। अशोक रजक ने बताया कि चोरी की रिपोर्ट 112 पर की थी जिस पर 112 की गाड़ी माताजी को कैंट थाने लेकर पहुंची। इस पर उन्होंने आशंका जताई है कि दोनों की मिली भगत से मेरे ढाबे पर चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

## भैंसवामाता में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस, बच्चों ने किया सामूहिक योग

**सारंगपुर।** शासकीय एकीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैंसवामाता में राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद जयंती को योग दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि में रुप मं जनपद अध्यक्ष देवनारायण नागर, विशेष अतिथि सरपंच कुलदीप नागर, दुर्गा प्रसाद नागर थे। मुख्य रूप से मां बिजासन के भक्त राजेश भंडारी एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही, जिनका स्वागत सत्कार संस्था के शिक्षकों द्वारा माल्यार्पण से किया गया। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंदजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय गीत करने के बाद आकाशवाणी से प्रसारित निदेर्शों के अनुसार छात्र-छात्राओं शाला के सभी शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सामूहिक सूर्य नमस्कार किया गया। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगान किया गया तत्पश्चात सभी को स्वल्पाहार करवाया गया। सरस्वती शिशु मंदिर भैंसवामाता में सोमवार को युवा दिवस के अवसर पर सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने सामूहिक योग किया और वक्ताओं ने बच्चो को योग के लाभ के अगवत कराया गया तथा स्वामी विवेकानंद के जीवन से परिचित कराया गया।

देवास में दो दिवसीय सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

# युवाओं की फिटनेस और प्रतिभा पह-चान के लिए कई खेल प्रतियोगिताएं होंगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास में फिटनेस को बढ़ावा देने और स्थानीय खेल प्रतिभाओं की पहचान के उद्देश्य से दो दिवसीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। देवास-शाजापुर सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में सोमवार को इस महोत्सव का शुभारंभ हुआ।

शुभारंभ से पूर्व, खिलाड़ियों ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद सयाजी द्वार से मार्च पास्ट निकाला, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए ओलिंपिक खेल मैदान पहुंचा। महोत्सव की शुरूआत तिरंगे गुब्बारे आसमान में उड़ाकर की गई। राधाबाई हायर सेकेंडरी स्कूल और चिमनाबाई हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सांसद सोलंकी ने रस्साकशी, वॉलीबॉल और

100 मीटर दौड़ का शुभारंभ करवाया।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पढ़ाई के साथ खेल भी जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। खेल से टीम भावना और प्रतिस्पर्धा उत्पन्न होती है, जो जीवन में आगे बढ़ने में सहायक है। उन्होंने बताया कि जिले के लिए यह गर्व की बात है कि चार खिलाड़ी एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस के लिए चयनित हुए हैं। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रत्येक विधा में पूर्ण क्षमता से भाग लेने और खेल भावना से आगे बढ़ने का आग्रह किया।

इस सांसद खेल महोत्सव में सभी शासकीय, अशासकीय और सीबीएसई विद्यालयों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता पायोनियर पब्लिक स्कूल में आयोजित की जाएगी। कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, रस्साकशी, सॉफ्टबॉल और एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं ओलिंपिक मैदान पर होंगी। फुटबॉल सेंट थॉम स्कूल में, जबकि बैडमिंटन और बास्केटबॉल कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेले जाएंगे।

### विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा स्रोत- सांसद

सांसद सोलंकी ने राष्ट्रीय युवा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद सभी युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं। इसी कारण देवास में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ 12 जनवरी से किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं में वायु जैसी गति और सामर्थ्य होने की बात कही।

सारंगपुर के संतोष पुष्पद बने फूल माली समाज के जिलाध्यक्ष

# समाज सुधार करना पहली प्राथमिकता

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

फूल माली समाज की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में सारंगपुर के वरिष्ठ समाजसेवी संतोष पुष्पद को समाजजनों के द्वारा सर्वसम्मति से समाज का नया राजगढ़ जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बैठक की शुरूआत निवर्तमान जिलाध्यक्ष जगदीश पुष्पद के इस्तीफे के साथ हुई, जिनका 3 वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण हो चुका था। नए अध्यक्ष के चयन के लिए जगदीश पुष्पद, रामबाबू पुष्पद, प्रेम मालाकार और संतोष पुष्पद के नाम चर्चा में आए। समाज की एकजुटता का परिचय देते हुए अन्य उम्मीदवारों ने संतोष पुष्पद के नाम पर अपनी सहमति जताई, जिसके बाद उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष की घोषणा के साथ ही फूल माली जिला पंचायत का भी विधिवत अध्यक्ष चयन के पहले बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कुरीतियों को त्यागने, राजनीति क्षेत्र में दावेदारी शिक्षा को

बढावा देने और युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोडने जैसे गंभीर मुद्दों पर विचार साझा किए। राजगढ, सारंगपुर, तारागंज, तलेनी, इकलेरा, खिलचीपुर, जीरापुर, माचलपुर, ब्यावरा, लखनवास, करेडी और हरणखेडी, बडोदिया, माचलपुर, छावनी, मालावार, पचोर, खुजनेर, चाचौडा, बीनागंज और खाताखेडी के समाजजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष जगदीश पुष्पद, भोलाराम पुष्पद, शिवनारायण काका, प्रेम नारायण मालाकार, राधेश्याम पुष्पद, शिव पुष्पद रामपुरिया, सुरेश सुमन, धन सिंह पुष्पद, और भाजपा मंडल पिछडा वर्ग अध्यक्ष विनोद पुष्पद सहित अनेकों वरिष्ठ समाजजन उपस्थित रहे।

### नवनियुक्त अध्यक्ष ने किया संबोधित

जिलाध्यक्ष पुष्पद ने कहा कि समाज ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का प्रयास करूँगा। हमारा लक्ष्य जरूरत पडने पर समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुँचाना और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। समाज सुधार करना पहली प्राथमिकता है।

## सरदार धाम नारायणपुर में चार अप्रैल को होगा शतचंडी महायज्ञ, बैठक में लिया निर्णय

**सारंगपुर।** सरदार वल्लभ भाई पटेल मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा नेत्र संस्थान सरदार धाम नारायणपुर कोलू खेडा में रविवार सुबह 10 से 3 बजे तक अस्पताल परिसर में बैठक का आयोजन किया। इस दौरान बडी संख्या में महिला एवं पुरुष मौजूद रहे। कार्यक्रम के अतिथि शाजापुर विधायक अरुण भिमावद, नेमीचंद घाटी वाले, रमेश पाटीदार, अशोक पाटीदार, गोपाल सिंह, मांगीलाल लेवे, हरण मंगलवाद सहित अन्य लोगों द्वारा अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन मंदिर के गर्भ ग्रह में मां उमिया, मां अंबे व मां खोडियार माता की प्राण प्रतिष्ठा के साथ शतचंडी महायज्ञ के मुख्य यजमान, हवन यज्ञ में साकल्य एवं भंडारा आयोजित करने के लिए लाखों रुपए की बोली लगाई गई। सरदार पटेल मानव सेवा ट्रस्ट सरदार धाम में पटेल चैन सिंह द्वारा पूरा मंदिर का निर्माण कार्य करवाया गया है। इस मंदिर के गर्भ ग्रह में 4 अप्रैल को होने वाली प्राण-प्रतिष्ठा एवं शतचंडी महायज्ञ के मुख्य यजमान के लिए सबसे ऊपर पांच लाख इक्यावन हजार रुपए की प्रथम बोली रामकृष्ण पाटीदार गांव पनवाडी जिला शाजापुर द्वारा लगाई गई। इस दौरान मंदिर ट्रस्ट के संचालक राजेंद्र पाटीदार का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन योग शिक्षक सत्यनारायण गोवा मंगलाज द्वारा किया गया।

## आज ध्वजारोहण एवं बाबा की मूर्ति अनावरण

**सारंगपुर।** आज पवित्र मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर नगर के आस्था केंद्र शिलानाथ धुनें पर संत शिलानाथ बाबा की मूर्ति की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होने जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत विधि-विधान से मंत्रोच्चार के साथ मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी, जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित होगा। इस पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

देवास चौपाटी पर मोमोज-जलेबी-पानी पताशे की हुई जांच

# प्रशासन ने दुकानों पर लगाया जुर्माना, गैस सिलेंडर जब्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास में कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने चौपाटी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले ठेलों और दुकानों पर चालानी कार्रवाई करते हुए घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

नगर निगम की स्वास्थ्य टीम, जिला आपूर्ति टीम और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने चौपाटी पर संचालित खाद्य ठेलों व दुकानों का निरीक्षण

किया। विशेष रूप से उन प्रतिष्ठानों की जांच की गई जहाँ खुले में खाद्य पदार्थ तैयार किए जा रहे थे।

जांच के दौरान कई स्थानों पर नियमों का उल्लंघन पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि कई दुकानों पर एक ही तेल का बार-बार उपयोग कर खाद्य पदार्थ तले जा रहे थे, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। यह पूरी कार्रवाई सोमवार रात को की गई। मोमोज, जलेबी, पानी पताशे, गराडू और फास्ट फूड जैसे उन खाद्य पदार्थों की विशेष जांच की गई, जिनका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। नियमों का पालन न करने वाले दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आमजन के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

## डॉ. मिश्रा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड भारत पाक युद्ध में शामिल रहे

**शुजालपुर।** मेडिसिन अपडेट कॉन्फ्रेंस के अवसर पर सीहोर में राजधानी भोपाल के साथ प्रदेशभर के चुनिंदा डॉक्टर्स की उपस्थिति में शहडोल निवासी एमडीएम हॉस्पिटल शुजालपुर के चेयरमैन कैप्टन डॉ सीवी मिश्रा को पं प्रदीप मिश्रा कुबरेश्वरधाम सीहोर ने सम्मानित किया। डॉ सीवी मिश्रा अनवरत विगत 55 वर्षों ने जनमानस की स्वास्थ्य सेवा कर रहे हैं। डॉ मिश्रा ने 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में शामिल रहे हैं जिसके लिए राष्ट्रपति द्वारा पश्चिमी स्टार व संग्राम मेडल भी प्रदान किया जा चुका है। आप अभी भी जनसेवा में लगे हैं और गरीब, अनाथ बच्चों की पढ़ाई, गरीब कन्याओं के विवाह, स्कूलों को आर्थिक मदद करते रहते हैं। आपकी सुपुत्री डॉ पूजा शर्मा सुप्रसिद्ध डेंटिस्ट के साथ सुपुत्र कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ प्रशांत मिश्रा, पुत्रवधू डॉ अवंतिका मिश्रा मायक्रोबायोलॉजिस्ट मुंबई में सुप्रसिद्ध चिकित्सक हैं। डॉ. मिश्रा को सम्मानित किए जाने पर क्षेत्र के चिकित्सकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

## तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

**तराना।** तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा विधिक जागरूकता शिविर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था तराना में रखा गया। जिसमें अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति एवं अतिरिक्त जिला न्यायाधीश प्रेमा साहू, जिला न्यायाधीश किरण कोल, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड शिरीष शुक्ला, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड अति. संगीता शुक्ला, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड आयुष अरोरा एवं प्राचार्य दिनेश पंडित उपस्थित रहे जिसमें राष्ट्रीय युवा दिवस के अंतर्गत विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर आयोजित कर छात्रों को जागरूक किया गया।वही 10 जनवरी को तहसील विधिक सेवा समिति विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन नवीन हाई सेकेंडरी में किया गया था। दौरान छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया।

## रामेश्वर गुर्जर पटेल का दुखद निधन

**सारंगपुर।** स्थानीय सिद्धनाथ कोटवार के बड़े भाई एवं

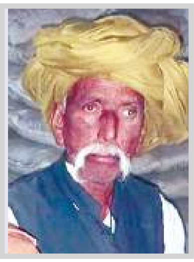

समाजसेवी पटेल रामेश्वर गुर्जर स्वर्गवास का सोमवार को दुखद निधन हो गया। वह बेहद हंसमुख, मिलनसार एवं सरल प्रवृत्ति के धनि व्यक्ति थे। उनकी अंतिम संस्कार सुबह 10:00 बजे मुक्तिधाम खेडा माता में निकाली गई। मुखाग्नि उनके परिजनों के द्वारा दी गई। शवयात्रा में समाजजनों भाग लेकर दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित की।

## क्षत्रिय करणी सेना जिलाध्यक्ष बने राजेश सिंह राजपूत

**सारंगपुर।** मप्र क्षत्रिय करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा ने क्षत्रिय करणी सेना में राजेश सिंह राजपूत को पुनः जिम्मेदारी देते हुए राजगढ़ जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति के बाद राजपूत ने कहा कि मां करणी से प्रार्थना है कि मैं इस पद की गरिमा व सम्मान बनाए रखते हुए परिवार द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। इनकी नियुक्ति पद प्रदेश उपाध्यक्ष कमलसिंह, संभाग उपाध्यक्ष सुमेर सिंह, जिला महामंत्री अमृतलाल, उमराव सिंह, सुमेर सिंह, बलराम सिंह, कन्हैयालाल, महेशसिंह, दिनेश सिंह ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

सीएम राइज मैदान में हुआ सामुहिक सूर्य नमस्कार, युवा दिवस पर विभिन्न आयोजन हुए

# स्वामी विवेकानंद ने देश का मान संसार में बढ़ाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

स्वामी विवेकानंद की जयंती सोमवार को युवा दिवस के रूप में मनाई गई। नगर में सूर्य नमस्कार का मुख्य समारोह सीएम राइज मैदान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उच्च शिक्षा, तकनीकि शिक्षा व आयुष मंत्री इंदरसिंह परमार ने किया। इस दौरान पतंजलि योग पीठ हरिद्वार से जुडे योग गुरू स्वामी परमार्थ देव महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही सीएम राइज प्राचर्य डॉ. रजनीश त्रिवेदी, डॉ. महेन्द्र परमार, संजय शर्मा कुडाना भी मंच पर रहे। कार्यक्रम में योग प्राणायाम की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री परमार ने कहा कि स्वामी जी ने देश का मान संसार में बढ़ाया है, योग स्वामी परमार्थ महाराज ने योग से होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बडी संख्या में स्कूली बच्चें व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इसी प्रकार शासकीय विद्यालय मोहम्मदखेडा में युवा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री का सन्देश सुनाया गया। साथ ही सूर्य नमस्कार,

प्राणायाम, अनुलोम विलोम, भस्त्रिका विभिन्न प्रकार के योग कराए गए। कार्यक्रम को संतोष पाठक, प्राचार्य हजारीलाल जाधव ने विवेकानंद जी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम मे सरपंच बापूसिंह राजपूत, मनोहर सूर्यवंशी, जुनेद कादरी, घनश्याम दांगी, नीता परमार, अमित परमार, ममता चौधरी, सीमा मालवीय, जय प्रकाश इंदौलिया, ब्रह्मलाल मालवीय, विवेक शर्मा, प्रेम पांचाल, देवीलाल गुजराती, जसवंत सिंह डोडिया, जितेंद्र आर्य, रेणुका कारपेंटर, मुकेश राजपूत, ममता गेहलोत, हरिओम पाटीदार, विक्रम सिंह कुशवाह आदि उपस्थित थे।

### जामनेर में भी हुआ आयोजन

शासकीय विद्यालय जामनेर में स्वामी विवेकानंद की जयंती उत्साह के साथ मनाई गई। विद्यालय में कार्यक्रम वन्दे मातरम से प्रारम्भ कर मुख्यमंत्री का संदेश सुनाया गया। इस दौरान सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, अनुलोम विलोम, भस्त्रिका विभिन्न प्रकार के योग कराए गए। योग क्रियाएं रमेश राव ने कराई तथा प्राचार्य प्रमोद कुमार खापरे ने विवेकानंद जी के जीवन पर प्रकाश डाला। इस दौरान सरपंच मोहनलाल मालवी, सन्तोष खरे, शिवनारायण परमार, डीपी परमार, अमित विलय, आशीष पाटीदार, मुकेश मालवीय, मुकेश सेन, कमल मालवीय, गुलाब मालवीय, प्रतिभा शर्मा, अनीता अलनशे, ममता वर्मा, पूजा शर्मा, मानसिंह बाकोदिया, भोजराज परमार, मनोज सूर्यवंशी, गुलाब नागर, विष्णु शर्मा, धन्नालाल अहिरवार आदि उपस्थित थे।

### अमलाय में बताया योग का महत्व

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमलाय में सामुहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। जिसमें सर्व प्रथम स्वामी विवेकानंद जी के जीवन आधारित दृष्टिकोण व जीवन परिचय पर शिक्षक जसमत सिह बेस व प्राचार्य शांतिलाल अलंसे ने प्रकाश डाला। वर्तमान मे योग, प्रणायाम व सूर्य नमस्कार का हमारे जीवन मे वैज्ञानिक व चिकित्सकीय महत्व के बारे मे शिक्षक जनार्दन शर्मा ने छात्र छात्राओं को अवगत कराया। खेल शिक्षक रोहित जाटव ने सभी को सूर्य नमस्कार, योग व प्रणायाम के विभिन्न मुद्राओं व आसनो का अभ्यास करवाया।

In The Court Of District and Session Judge,
District Court, Ujjain Presiding Officer
**श्री पूरनचंद्र गुप्ता**
**(आदेश नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत के प्रकाशन हेतु)**
(UN CIV/0000213/2025)
**श्रीमती ज्योति शर्मा -------- वादी**
Vs
**सर्व साधारण --------- प्रतिवादी**
**Process Id-/2026**
**पेशी दिनांकः 23/01/2026**

**प्रेषिती-**
(1) सर्वसाधारण पता- सर्व साधारण

यह कि प्रार्थी श्रीमती ज्योति शर्मा पति श्री अरविंद शर्मा, पुत्री स्व. लक्ष्मीनारायण उपाध्याय, आयु-67 वर्ष, धंधा- गृहकार्य, निवासी-149, शिवाजी पार्क कालोनी उज्जैन म प्र द्वारा एक अपील अंतर्गत धारा 96 एवं आदेश 43 नियम सी पी सी विरुद्ध विद्वान अधीनस्थ न्यायालय सप्तम व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड जिला उज्जैन, श्री सीताराम दास के न्यायालय के साम्पत्तिक प्रकरण क्रामक 660-ए/2023 में पारित निर्णय एवं जयपत्र दिनांक 30/04/2024 के अनुसार आपके विरुद्ध अनरजिस्टर्ड सिविल के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 12 जनवरी 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

**(पी.सी. गुप्ता)**
**प्रधान जिला न्यायाधीशश उज्जैन (म.प्र.)**

**कृपया ध्यान दें-** यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

## जाहिर सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने 1- किशोर सिंह भदौरिया पिता श्री महेन्द्र सिंह भदौरिया, निवासी 187, विद्यापति नगर, उज्जैन 2-राजेन्द्र सिंह सूर्यवंशी पिता श्री गोवर्धन जी, निवासी 2, शिवजी रोड़, दत्त मंदिर के सामने, खाचरौद जिला उज्जैन हाल मुकाम पांचाल धर्मशाला नागदा जिला उज्जैन के स्वामित्व एवं आधिपत्य का भवन म्यु क्रमांक 73 का भाग वर्तमान भवन म्यु क्रमांक 73/1, स्थित जयसिंहपुरा मार्ग, उज्जैन में स्थित है एक भवन पर वर्तमान में 52.04 वर्गमीटर अर्थात 560 वर्गमीटर पर एक टीनशेड निर्मित है जिसके उत्तर दिशा में-फोल्डिंग वॉल लगी है दक्षिण दिशा में ताम्रकर जी की दीवार मिली है उक्त भवन आवासीय उपयोग का है उक्त भवन का कुल क्षेत्रफल 52.04 वर्गमीटर अर्थात 560 वर्गफीट है भवन की पैमाईश लम्बाई 80 फीट, चोड़ाई 7 फीट भवन की चतुर्सीमा पूर्व में सड़क जयसिंहपुरा मार्ग, पश्चिम में भवन बद्रीलाल जी चौधरी का, उत्तर में भागीरथजी का शेष भाग, दक्षिण में भवन ताम्रकर का मिला है उक्त भवन स्वामी से उनके स्वामित्व का उपरोक्त भवन क्रय करने का अनुबन्ध मेरे पक्षकार ने किया है तथा बयाना राशि भी अदा कर दी है अनुबंधानुसार शेष राशि अदाकर विक्रय पत्र का निष्पादन व पंजीयन करवाया जाना शेष हैं, यदि उक्त भवन में अन्य किसी व्यक्ति को कोई स्वत्व, हित, अधिकार प्राप्त हो या उक्त विक्रय व्यवहार के सम्बन्ध मे अन्य किसी को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त भवन पर किसी व्यक्ति, फर्म, बैंक, संस्था एवं कम्पनी का किसी किस्म का कोई भार हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में मुझे सूचित करें और लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें ताकि ऐसी आपत्ति का समुचित निराकरण किया जा सके अन्यथा अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भवन का विक्रय-पत्र अपने पक्ष में निष्पादित करा लिया जावेगा और इसके पश्चात की जाने वाली कोई भी आपत्ति शुन्य होकर मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नही होगी । दिनांक 13.01.2026

**अखिलेश बाफना एडव्होकेट**
**कार्यालय 111, हर्षदीप टॉवर, पेट्रोल पम्प के पास, नानाखेड़ा, उज्जैन**
**मो.नं. 98262-66570**

## शिवाजी बस्ती में हिंदू सम्मेलन संपन्न

**महिदपुर।** शिवाजी बस्ती स्थित देवीजी मंदिर रोड पर पुराने शासकीय महाविद्यालय परिसर में आयोजित हिंदू सम्मेलन शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गौ माता एवं भारत माता के पूजन के साथ किया गया। सम्मेलन में मंचासीन अतिथियों में शुभम जोशी, जयप्रकाश सरिया, नूतन मिश्रा एवं कार्यक्रम संयोजक सुधीर मूणत उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान पंकज यादव के सहयोग से कन्याओं द्वारा झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के संघर्षों पर आधारित प्रेरणादायक झांकी प्रस्तुत की गई, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहना के साथ देखा। कार्यक्रम का संचालन योगेंद्र मुखिया द्वारा किया गया, वहीं आभार प्रदर्शन सुधीर मूणत ने किया। कार्यक्रम के समापन पर सामूहिक रूप से भारत माता की आरती की गई तथा उपस्थित जनों के लिए सहभोज का आयोजन भी किया गया।

## चौंविहार छट्ट तप के साथ पार्श्व वागरेचा ने पूर्ण की शत्रुंजय गिरिराज की सात यात्रा

**महिदपुर।** आस्था, तप और साधना की त्रिवेणी को साकार करते हुए महिदपुर नगर के पार्श्व वागरेचा ने चौंविहार छट्ट का कठिन तप करते हुए शत्रुंजय गिरिराज की पावन सात यात्रा पूर्ण कर एक अनुपम आध्यात्मिक उदाहरण प्रस्तुत किया। शत्रुंजय गिरिराज की सात यात्रा को जैन धर्म में अत्यंत पुण्यदायी एवं मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करने वाली साधना माना गया है। शास्त्रों में वर्णित है कि जो साधक सात यात्रा पूर्ण करता है, उसके लिए मोक्ष का द्वार सुनिश्चित हो जाता है तथा उसे सिद्धों की परम पावन भूमि ह्लसिद्धशिलाह्व पर स्थान प्राप्त होता है। इस दीर्घ, कठिन और आत्मसंयम से परिपूर्ण तपस्या को पूर्ण कर जब पार्श्व वागरेचा महिदपुर लौटे, तो वागरेचा निवास पर समाजजनों, मित्रों एवं नगरवासियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्हें माला, शाल एवं श्रीफल भेंट कर तप की अनुमोदना की गई और उनकी साधना को नमन किया गया। समाजजनों ने पार्श्व वागरेचा की तपस्या को वर्तमान युग में दुर्लभ बताते हुए कहा कि ऐसी साधनाएँ न केवल आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करती हैं, बल्कि समाज को संयम, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देती हैं। सभी ने एक स्वर में यह कामना की कि पार्श्व वागरेचा भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक कार्यों में अग्रसर रहें और निरंतर तप, साधना एवं धर्म आराधना करते रहें।

## कायथा के सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन

**कायथा ।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के १०० वर्ष पूरे होने के उपलक्ष मे आयोजित हिंदू सम्मेलन रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण कायथा मे आयोजित किया गया उद्देश्य हिंदू समाज मे बंधुत्व प्रेम सहयोग ओर स्वाभिमान को मजबूत करनाथा कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित ओर पूण्यवाचन के साथ हुआ इस अवसर पर आदर्श नगर कायथा स्तिथ श्री राम जानकी मंदिर से शोभायात्रा बैंड बाजे के साथ भजन कीर्तन करते हुए निकाली गई जो बस स्टैंड से होते हुए कार्यक्रम स्थान पर पहुँचे रास्ते मे जगह जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर अतिथियों द्वारा अपने संबोधन

मे भारत माता के निर्माण मे राष्ट्र भक्तों ने बलिदान दिया महापुरुषों के बलिदानों का उल्लेख करते हुए कहा कि महापुरुषों ने हिंदू धर्म ओर हिन्दूत्व की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया केशव बलिराम हेगड़े वार ने महापुरुषों के विचारों से प्रेरित होकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी जिसका मुख्य उद्देश्य हिंदुओं मे स्वाभिमान जगाना था धर्म समाज को जोडता है महापुरुषों की कोई जाती नही होती वे सर्व समाज के लिए होते है सम्मेलन मे हजारों की संख्या मे समाज के लोग उपस्थित रहे एवं समरता भोज का आयोजन किया गया

## श्री चिंतामण गणेश मंदिर में श्री राम कथा एवं हिन्दू सम्मेलन का आयोजन आज से

**महिदपुर।** समीपस्थ ग्राम कढाई स्थित श्री चिन्तामण गणेश मंदिर के पावन प्रांगण में श्री राम कथा एवं हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन पं. श्याम मनावत के सुमधुर एवं ओजस्वी प्रवचनों के साथ 14 जनवरी से 20 जनवरी 2026 तक सम्पन्न होगा। आयोजन का शुभारंभ बुधवार, 14 जनवरी 2026 को कलश यात्रा एवं कथा प्रारंभ के साथ होगा। कथा का विश्राम एवं महाप्रसादी मंगलवार, 20 जनवरी 2026 को होगी। इसी दिन हिन्दू सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा। सम्मेलन के अंतर्गत प्रवचन का समय दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु नारायणा रोड चौराहा से विशेष वाहन व्यवस्था की गई है। इस आयोजन के प्रेरणा स्त्रोत समाजसेवी भागीरथजी वर्मा हैं। आयोजन श्री राम कथा महोत्सव समिति के तत्वावधान में तथा निवेदक श्री चिन्तामण गणेश मंदिर समिति द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

### कलेक्टर मिश्रा ने सिविल अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षणः

# अस्पताल के व्यवस्थाओं पर जताया असंतोष, सुधार नहीं होने पर कार्रवाई के दिए निर्देश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

राजगढ़ कलेक्टर डा. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा शासकीय सिविल अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने अस्पताल में लगातार 3 घंटो तक निरीक्षण किया और कई कक्षों पहुंचकर रिकार्ड देखा और उसकी प्रतियां भी साथ में लेकर गए। उन्होंने सबसे पहले उपस्थिति रजिस्ट्र में अव्यवस्था देखी। निरीक्षण के पश्चात उन्होंने व्यवस्थाओं पर अप्रसन्नाता व्यक्त करते हुए अस्पताल प्रबंधन को कडे निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर सूचित करें और लापरवाह को नोटिस दिए जाए। कलेक्टर ने व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने पर लापरवाह अधिकारियों के विरूद्ध कडी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सिविल अस्पताल में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पाया कि पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा सार्थक एप से उपस्थिति दर्ज नहीं कराई गई हो तो उनका वेतन काटा जाएगा। यह स्थिति सार्थक एप पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने के कारण होगी। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि चिकित्सालय में गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रायः शिकायत आती है कि मरीजों को सही इलाज नहीं मिल पा रहा है। मरीजों को अनावश्यक भटकना न पड़े यह सुनिश्चित करें।

नियत समय पर चिकित्सकों की उपस्थिति रहे तथा मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध कराई जाए इसके बारे मे चर्चा की जाए। वही कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि आपातकालीन कक्ष में डॉक्टरों की ड्यूटी अनिवार्य रूप से लिखित में लगाए। मरीजों को अस्पताल से ही दवा उपलब्ध करायें। कलेक्टर ने भर्ती मरीजों के संबंध में जानकारी प्राप्त की है तथा अस्पताल प्रबंधन को यह निर्देश दिए कि वार्ड में फायर सेफ्टी सहित अन्य व्यवस्थाओं की देखभाल के लिए 24 घंटे हेतु कर्मचारियों की ड्यूटी समय निर्धारित कर लगाई जाए और इसके लिए रजिस्टर संधारित कर अन्य विवरणों की जानकारी भी संधारित कराए। इस मौके पर निरीक्षण में एसडीएम रोहित बम्हौरे, तहसीलदार आकाश शर्मा, नायब तहसीलदार गोपाल सिंह चौहान, थाना प्रभारी आकांक्षा हाड़ा, सीएमओ ज्योति सुनहरे, सीपीडीओ केदार शर्मा सहित अस्पताल के डाक्टर मनीष सूर्यवंशी एवं स्टाप के सदस्य उपस्थित थे।

### इन कक्षो में देखी व्यवस्थाएं

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने गुरुवार को ओपीडी, लेखापाल कक्ष, स्टोर रुम आदि का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने सुपोषण केन्द्र में उपचाररत बच्चों और माताओं से उनके बच्चे के स्वास्थ्य और वजन में आ रहे सुधार के संबंध में जानकारी लिया। कलेक्टर ने डाक्टरों से सामान्य और गंभीर कुपोषित बच्चों के बारे में जानकारी लिया। उन्होंने अस्पताल में आने वाले भर्ती मरीजों हेतु उचित सुविधायुक्त वार्ड, पेयजल व्यवस्था, बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था, अस्पताल साफ- सुथरा हो, मरीजों के प्रति स्वास्थ्य कर्मचारियों को व्यवहार उत्तम रहें, कार्य तत्परता से हो, मरीजो को पर्याप्त मात्रा में दवाईयॉ उपलब्ध हो, दवाईयों की गुणवत्ता एवं रख-रखाव ठीक हो, अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं प्रसुति माताओं को पौष्टिक भोजन प्राप्त हो, वाहन पार्किग व्यवस्था करना, प्रयोगशाला में जांच के प्रकार में वृद्धि करना करने के निर्देश दिए। इस दौरान अस्पताल में उपस्थित सीएचओं की लापरवाही पर उन्हें फटकार लगाई। जांच में सामने आया कि अस्पताल में पदस्थ ओउटसोर्स कर्मचारियों चार माह से वेतन नहीं मिला है और एनआरसी के कर्मचारियों को भी चार माह से वेतन का भुगतान किया गया। उन्होंने पुराने अस्पताल भवन को हटाने के बाद मिले रिक्त स्थान के बेहतर उपयोग करने के लिए अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए।

### बोले कलेक्टर

अस्पताल के निरीक्षण चल रहा है। सामान्यतः सार्थक एप से अटेंडेस लगाने के निर्देश दिए गए थे। सीएचओ अटेंडेस नहीं लगा रहे है उनकी सैलरी काटने के निर्देश दिए गए है। साथ ही आउटसौर्स सफाई कर्मी, एनएनएम स्टाप को भी सार्थक से अटेंडेंस लगाने के निर्देश दिए है। अभी बहुत सारे कर्मचारियों ने अटेंडेस नहीं लगाई है, उसको लेकर नोटिस जारी कर रहे है, क्योंकि बीएमओ आज है नहीं। स्पष्टिकरण लिया जाएगा। ड्यूटी टाइम में कोई डाक्टर बाहर मिलेगा तो निश्चित तौर पर कार्रवाई होगी।

**डा. गिरीश कुमार मिश्रा, कलेक्टर,**

### शिवरात्रि महोत्सव पर होंगे विशाल भव्य आयोजन,

# 8 फरवरी से शिव महापुराण कथा, भजन संध्या श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर एवं मार्गदर्शक समिति का गठन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ तराना

नगर के अतिप्राचीन श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित शिवरात्रि महोत्सव 14 फरवरी 2026 को होने वाले विशाल आयोजन हेतु मठ के महंत मोहन भारती (राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा) के निदेर्शानुसार एवं राष्ट्रीय सचिव ओम भारती जी महाराज की सहमति से समारोह के सफल क्रियान्वयन के लिए श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर की कोर समिति एवं मार्गदर्शक समिति का गठन किया गया। कोर समिति में रूपेश परमार, सुभाष जोशी, विनोद जी कारपेंटर, आकाश बोड़ाना, दीपक सोमानी वही मार्गदर्शक समिति में जिसमे चरणसिंह गुर्जर (पंडा जी), बंसीलाल विश्वकर्मा (बासाहब लोद) ओमप्रकाश पलोड़, जगदीश पालोत्रा, जगदीश राठी, राजेश डोडिया, प्रेमनारायण परमार , नरेन्द्र कानडी, कृष्णगोपाल, मित्तल अशोक जैन, संजय बल्दवा, डॉ.अनोखीलाल पाटीदार, पंकज गेरा, महेश रावल,प्रदीप बोडाना अजय राठी होंगे।यह नियुक्ति 11 जनवरी से आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। यह जानकारी तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष समाजसेवी नीरज खंडूजा ने दी।

### 8 फरवरी से होंगे विभिन्न आयोजन

सनातन संस्कृति, धर्म और भक्ति के भाव को सुदृढ़ करने हेतु श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर, धार्मिक आयोजन होने जा रहा है।कार्यकारी अध्यक्ष खंडूजा ने बताया की दिनांक 8 फरवरी 2026 से 14 फरवरी 2026 तक पावन शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें भगवान भोलेनाथ की महिमा, लीला और कृपा का अमृत वर्षण होगा।14 फरवरी को महाशिवरात्रि की पावन पूर्व संध्या पर समस्त नगरवासियों, क्षेत्रवासियों एवं सनातनी जनता के लिए विशाल भंडारा महाप्रसाद का आयोजन 4 बजे स्थान श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर परिसर में होगा।

वही इसी पावन संध्या को भव्य एवं दिव्य भजन संध्या रात्रि 8 बजे से जिसमें भजन सम्राट प्रकाश माली (राजस्थान) से सुर कोकिला आशा वैष्णव जी (अहमदाबाद, गुजरात) से अपने सुमधुर एवं भाव-विभोर कर देने वाले भजनों से समूचे वातावरण को शिवमय बना देंगे।समिति द्वारा आप समस्त सनातनी बंधुओं से निवेदन है कि इस पावन भव्य और ऐतिहासिक आयोजन में अपने परिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित अवश्य शामिल हो।

## बच्चा चायनीज मांझे से पतंग उड़ाता मिला तो माता-पिता पर होगी कार्रवाईः हाड़ा

**सारंगपुर।** मकर संक्रांति नजदीक आते ही शहर में कई लोग जानलेवा चायना मांझे का उपयोग कर रहे हैं। यह डोर लोगों के साथ ही पक्षियों के लिए बेहद घातक है। रविवार को ही इंदौर में चायना डोर से बाइक चालक का गला कट गया। इससे उसकी मौत हो गई। प्रतिबंध के बावजूद यह डोर चोरी-छिपे बेची जा रही है। पुलिस का कहना है अगर कोई भी चायना डोर से पतंग उडाते पकडा गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सारंगपुर थाना प्रभारी आकांक्षा हाड़ा ने बताया संक्रांति तक पुलिस शहर के विभिन्ना इलाकों में भ्रमण करेगी। अगर कोई नाबालिग इस प्रतिबंधित डोर का उपयोग करते हुए मिला तो उसके माता-पिता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। टीआई हाड़ा ने बताया लोग चायना डोर बिकने और उपयोग करने वालों के संबंध में थाने में सूचना दे सकते हैं। पहचान गुप्त रखी जाएगी।

### मंसूरी एजुकेशन सोसाइटी की बैठक सम्पन्न

## प्रतिभाओं का किया जाएगा सम्मान

**सारंगपुर।** रविवार को भ्याना के एमएम वर्ल्ड कांवेट स्कूल परिसर में अजमेरी मंसूरी एजुकेशन सोसाइटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति समाज में शिक्षा के स्तर आगे बढाने और बच्चों को शिक्षित बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास किए गए। वली मोहम्मद पटवारी, इमरान मंसूरी शिक्षक शाजापुर, तस्लीम मंसूरी, इस्माईल अजमेरी, रईस मंसूरी शिक्षक, मऊ सरपंच रईस मंसूरी, शरीफ मंसूरी, मुमताज आलिम उज्जैन, शब्बीर मंसूरी, डॉक्टर शब्बीर मंसूरी, हाजी शब्बीर खा, डॉ मजीद अजमेरी, अकबर खा, मोबिन सदर, जनपद सदस्य सईद खा, हामिद खा, इम्तियाज खा, सद्दाम आलीम सा, मुख्तियार खा, मुश्ताक शाह, फरीयाद खा भ्याना, डॉक्टर मुबारिक, तफसीर मंसूरी, फारूक मंसूरी, हकीम खा, अनवर मंसूरी, शाहरुख मंसूरी, जाकिर मंसूरी, मुबारिक मंसूरी, बाबू मंसूरी, आफताफ मंसूरी, फकीर मोहम्मद, अलादीन खा, हाजी वली मोहम्मद, फिदा हुसैन मंसूरी, रज्जाक मंसूरी, बहार अली, आमीन मंसूरी, यूसुफ भाई तथा मुबारिक मंसूरी शिक्षक सारंगपुर ने शिरकत की। इस मोके पर बैठक में तीन प्रस्ताव पास किए, जिसमें तय किया गया कि अजमेरी मंसूरी एजुकेशन सोसाइटी के द्वारा तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 22 मार्च को भ्याना में ही आयोजित किया जाएगा। निर्णय हुआ कि प्रतिभा सम्मान समारोह में इस बार समाज के जज, शिक्षक, हाफिज, आलिम, मुफ्ती, डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट, वकील, वर्तमान नगर पालिका, नगर पंचायत अध्यक्ष, वर्तमान सरपंच, जिला पंचायत सदस्य जनपद पंचायत सदस्य तथा समाज के वे लोग जिन्होंने अजमेरी मंसूरी एजुकेशन सोसायटी का निरंतर सोसायटी के सभी फंडों में आर्थिक सहयोग किया है उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

## विपुल सोनगरा ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन में लहराया परचम

**महिदपुर।** महिदपुर नगर के लिए गौरव और जैन समाज के लिए हर्ष का विषय है कि नगर के प्रतिभावान युवा विपुल सोनगरा ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन 2025 को उत्कृष्ट अंकों के साथ सफलता पूर्वक उत्तीर्ण कर लिया है। साधारण से जैन परिवार में जन्मे विपुल सोनगरा ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और अटूट संकल्प के बल पर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन उत्तीर्ण करने के उपरांत अधिवक्ताओं को सीओपी प्रदान किया जाता है, जो भारत की किसी भी न्यायालय में विधिक प्रैक्टिस के लिए अनिवार्य होता है। इस कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विपुल सोनगरा ने न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे नगर को गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि इस कहावत को चरितार्थ करती है कि निरंतर परिश्रम और दृढ़ निश्चय से असंभव भी संभव बन जाता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जैन समाज, नगर के गणमान्य नागरिकों, शुभचिंतकों एवं मित्रों ने विपुल सोनगरा को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। नगरवासियों को विश्वास है कि विपुल सोनगरा भविष्य में विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर समाज और राष्ट्र की सेवा करेंगे।

## सेवा सप्ताह तहत हुई प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरूस्कृत

### महाविद्यालय में आयोजन

**शुजालपुर।** जे एन एस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शुजालपुर में जारी सेवा सप्ताह का समापन स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर किया गया। इस दौरान पुरूस्कार वितरण समारोह भी आयोजित हुआ। प्राचार्य डॉ. राजेश शर्मा ने स्वामी विवेकानंद जी के व्यक्तित्व एवं उनके द्वारा दिए गए विचारों से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम मे युवाओं मे रामपाल राजपूत, कृष्णपाल धनगर, दुर्गेश सेन ने युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सेवा सप्ताह में हुई विभिन्न प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र दिए गए। निबंध लेखन में दिव्यांशी दांगी प्रथम, राधिका राठौर द्वितीय, टीशा चौहान तृतीय स्थान पर रहे, वही पोस्टर प्रतियोगिता मे पूजा कुशवाह प्रथम, मुस्कान मालवीय द्वितीय, कनक परिहार तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम मे डॉ. राजरानी खुराना, मुमताज सिद्दीकी, डॉ. सुधीर सवासिया, डॉ. रवि राठौर, डॉ. अर्चना गावंडे, डॉ. संजय प्रजापति, डॉ. मुकेश मेवाडा, डॉ. संजय मिश्रा, संस्कृति विश्वकर्मा, मोना जाटव, अंकिता वर्मा, डॉ अपर्णा श्रीवास्तव, सुनील मेवाडा, किशोर विश्वकर्मा, धर्मेंद्र मेवाडा, उमेश पांडेय, पूजा सांखला, संगीता सोनी सहित अन्य उपस्थित रहे।

## विवेक जागरूकता का शिविर शासकीय औद्योगिक संस्थान में किया

**तराना।** तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा सोमवार को विधिक जागरूकता शिविर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था तराना में रखा गया।जिसमें अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति एवं अतिरिक्त जिला न्यायाधीश प्रेमा साहू, जिला न्यायाधीश किरण कोल, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड शिरीष शुक्ला, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड अति. संगीता शुक्ला, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड आयुष अरोरा एवं प्राचार्य दिनेश पंडित उपस्थित रहे जिसमें राष्ट्रीय युवा दिवस के अंतर्गत विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर आयोजित कर छात्रों को जागरूक किया गया। वही 10 जनवरी को तहसील विधिक सेवा समिति विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन नवीन हाई सेकेंडरी में किया गया था। दौरान छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया।

### ठंड के बावजूद विद्यार्थियों में दिखा उत्साह, दिनचर्या में योग को अपनाने का लिया संकल्प

# राष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को मिला कौशल और आत्मनिर्भरता का संदेश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर मेरा गाँव मेरी दुनिया संस्था द्वारा युवाओं के लिए एक विशेष कौशल आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला वर्टिस इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट के सहयोग से संचालित टेक ट्रक परियोजना के अंतर्गत डेलची बुजुर्ग एवं बंजारी गाँव में आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं और युवाओं ने भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान टेक ट्रक परियोजना के मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स के अंतर्गत युवाओं को ऊर्जा एवं पर्यावरण तकनीक तथा कृषि एवं बागवानी तकनीक से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। बंजारी गाँव में आयोजित सत्र में ऊर्जा एवं पर्यावरण विषय के अंतर्गत युवाओं को एलईडी बल्ब की मरम्मत एवं निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को बताया गया कि खराब एलईडी बल्ब को रिपेयर करने से आर्थिक लाभ कैसे होता है और नया बल्ब तैयार करने में कितना खर्च आता है। युवाओं ने स्वयं खराब बल्बों को सुधारकर चलाया तथा नए बल्ब बनाकर प्रदर्शित किए, जिससे उनमें तकनीकी समझ और आत्मविश्वास का विकास हुआ।

वहीं डेलची बुजुर्ग में आयोजित सत्र में जैविक खेती पर विशेष फोकस किया गया। युवाओं को जैविक दसपर्णी दवाई, वर्मी खाद, वर्मी वाश और अमृत जल तैयार करने की विधियाँ सिखाई गईं। इसके साथ ही रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए जैविक खेती के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में युवाओं ने अपने घरों में किचन गार्डन विकसित करने और जैविक तरीकों को अपनाने का संकल्प लिया। उपस्थित युवाओं ने बताया कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ न केवल उन्हें नई तकनीकें सिखाती हैं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में कुछ नया करने और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी देती हैं। कुछ युवाओं ने अपने गांव और आसपास के गांव के लिए बल्ब बनाने का स्टार्टअप शुरू करने का भी विचार दिया। सोशल कैपिटल क्रेडिट के जरिए युवा सामाजिक पूंजी कमाते है और फिर उसी से विभिन्न तरह की स्किल सीखते है। फिर इन स्किल से स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करते है। इस तरह एक ही चीज से सहयोग, सेवा और स्वामित्व की भावना आती है और कई गुणा प्रभाव पड़ता है।

**सारंगपुर**

स्वामी विवेकानंद का जन्मदिवस युवा दिवस के रूप में शहर में मनाया गया है। ब्लाक स्तरीय सूर्य नमस्कार का आयोजन शहर के राठी परिसर में हुआ। विद्यार्थियों के साथ राज्यमंत्री गौतम टेटवाल एवं अधिकारियों ने योग प्राणायाम कर सूर्य नमस्कार की क्रियाएं की। स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों आदि स्थानों पर भी सूर्य नमस्कार का आयोजन हुआ। सामूहिक कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी व बच्चे शामिल हुए। राठी परिसर में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, मॉडल स्कूल एवं कन्या सेकेंडरी स्कूल सारंगपुर के समन्वय से सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन मध्य प्रदेश शासन के निर्देश के परिपालन में हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री गौतम टेटवाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा, जिला पंचायत सीईओ इच्छित गढपाले, एसडीएम रोहित बम्हौरे, शिक्षकगण एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सर्वप्रथम सर्व मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंदजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण किया गया। उसके पश्चात मुख्यमंत्री के संदेश का भाषण हुआ, इसके उपरांत शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार रेडियो पर कार्यक्रम हुआ कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों शिक्षक शिक्षिकाओं आदि ने सूर्य नमस्कार करके योगाभ्यास किया। अतिथियों का सम्मान सत्कार हुआ। कार्यक्रम का संचालन मॉडल स्कूल की प्राचार्य बबीता मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा में बीईओ सुरेश विरमाल एवं बीआरसी बीएल वर्मा, प्राचार्य पूजा विजयवर्गीय ने अपनी भूमिका निभाई। इस आयोजन में खेल प्रशिक्षक भारत भैरवे सहित स्टाफ के सदस्यों ने सहयोग किया। अंत में आभार बीईओ सुरेश विरमाल ने माना।

अक्सर ठंड के दिनों में जोड़ों के दर्द की समस्या बढ़ जाती है, ऐसे में जिन्हें पहले से ही परेशानी होती है वो और परेशान हो जाते हैं। इसलिए आइए इस लेख में इस समस्या से बचने के बारे में कुछ घरेलू उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

# सर्दियों में जोड़ों के दर्द से हैं परेशान?

## इन घरेलू उपायों से मिलेगा आराम

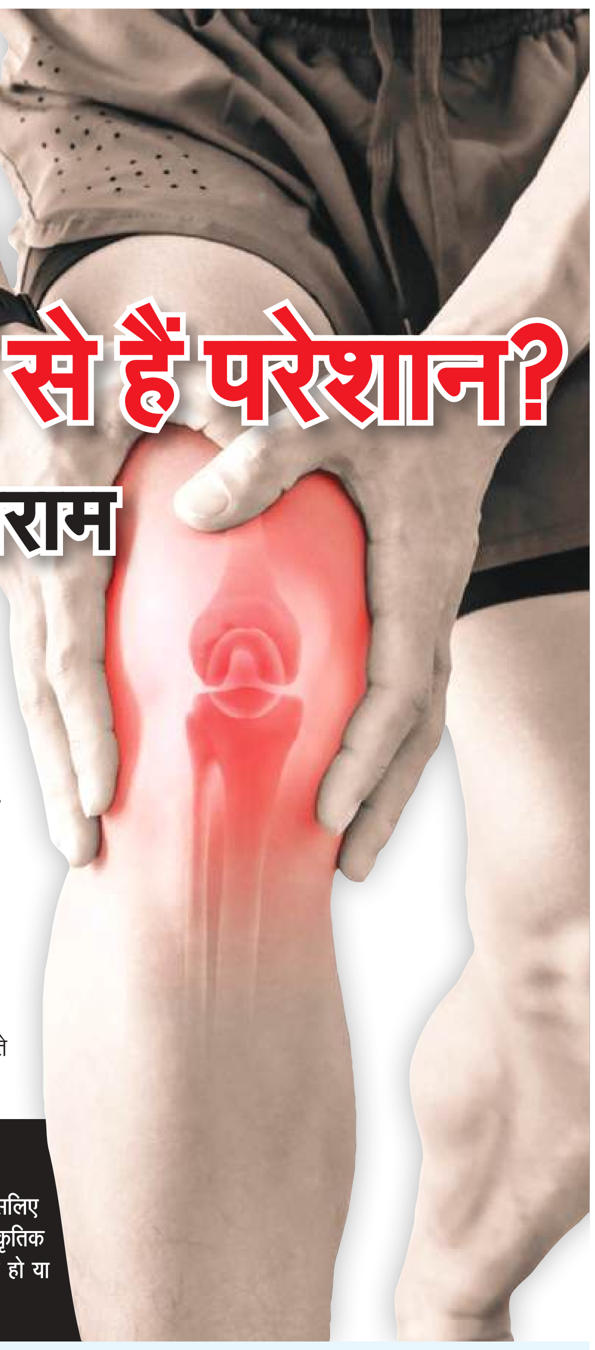

सर्दियों का मौसम आते ही जोड़ों का दर्द और अकड़न की समस्या कई गुना बढ़ जाती है, खासकर बुजुर्गों और गठिया के मरीजों के लिए यह समय काफी कष्टदायक होता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार तापमान में गिरावट के कारण हमारे शरीर की नसों में संकुचन होता है और खून का संचार धीमा पड़ जाता है, जिससे जोड़ों के आसपास की मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द महसूस होता है।

साथ ही वायुमंडलीय दबाव कम होने से ऊतकों में सूजन आ जाती है, जो नसों पर दबाव डालती है। अगर आप भी सुबह उठते समय घुटनों, कंधों या कूल्हों में तेज दर्द और जकड़न महसूस करते हैं, तो आपको दवाओं के बजाय कुछ पारंपरिक और प्रभावी घरेलू उपायों पर ध्यान देने की जरूरत है। सही खान-पान, गर्म सिकाई और हल्की मालिश के जरिए आप बिना किसी दुष्प्रभाव के इस दर्द से राहत पा सकते हैं।

### सर्दियों में जोड़ों के दर्द के मुख्य कारण क्या हैं?

- ठंड के दिनों में जोड़ों में दर्द होने के पीछे कई वैज्ञानिक और शारीरिक कारण होते हैं-
- कम तापमान के कारण शरीर गर्मी बचाने के लिए रक्त को अंगों के बजाय कोर की ओर भेजता है, जिससे जोड़ों में प्रवाह कम हो जाता है।
- जोड़ों के बीच का प्राकृतिक लुब्रिकेंट ठंड में गाढ़ा हो जाता है, जिससे घर्षण और अकड़न बढ़ती है।
- धूप की कमी के कारण शरीर में विटामिन-डी का लेवल गिर जाता है, जो हड्डियों और जोड़ों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है।
- ठंड की वजह से लोग एक्सरसाइज कम करते हैं, जिससे जोड़ सख्त हो जाते हैं।

### सावधानी ही सबसे बेहतर समाधान

जोड़ों का दर्द सर्दियों में एक सामान्य समस्या हो सकती है, लेकिन इसे अनदेखा करना खतरनाक है। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर लोग दर्द के लिए पेनकिलर्स का सहारा लेते हैं, जो किडनी पर बुरा असर डाल सकते हैं। प्राकृतिक घरेलू उपचार न केवल सुरक्षित हैं बल्कि जड़ों से समस्या को कम करते हैं। अगर दर्द के साथ सूजन बहुत ज्यादा हो या बुखार आए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

### दर्द से तुरंत राहत पाने के प्रभावी घरेलू उपाय क्या हैं?

आप घर पर मौजूद कुछ प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को नियंत्रित कर सकते हैं-

- सरसों के तेल में लहसुन और अजवायन जलाकर उस तेल से जोड़ों की मालिश करें, यह रक्त संचार बढ़ाता है।
- हल्दी में मौजूद 'करक्यूमिन' और अदरक के सूजनरोधी गुण दर्द को अंदर से ठीक करने में मदद करते हैं।
- हीटिंग पैड या गर्म पानी की बोतल से सिकाई करने से मांसपेशियों को आराम मिलता है और अकड़न कम होती है।
- रातभर भीगे हुए मेथी के दानों का सुबह सेवन करने से जोड़ों के पुराने दर्द में काफी आराम मिलता है।

### खान-पान और जीवनशैली में क्या बदलाव करें?

सर्दियों में जोड़ों को स्वस्थ रखने के लिए आपकी डाइट और रूटीन बहुत मायने रखते हैं-

- अखरोट, अलसी के बीज और मछली का सेवन करें, जो जोड़ों की सूजन को कम करते हैं।
- पानी कम पीने से जोड़ों का लुब्रिकेशन कम हो सकता है, इसलिए दिनभर गुनगुना पानी पीते रहें।
- घर के अंदर ही योगासन या स्ट्रेचिंग करें ताकि जोड़ों में लचीलापन बना रहे।
- रोजाना कम से कम 20 मिनट सुबह की गुनगुनी धूप लें ताकि विटामिन-डी की पूर्ति हो सके।

दांतों में सड़न की समस्या होना एक बेहद आम बात है, यही वजह है कि आमतौर पर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में कई बार दांतों को आरसीटी (रूट कैनाल ट्रीटमेंट) कराने की नौबत आ जाती है।

# दांत में लगे कीड़ों को खत्म करें

## इन उपायों से, जड़ से दूर होगी दांत की परेशानी

दांतों में सड़न या जिसे आम भाषा में 'कीड़ा लगना' कहा जाता है, जो एक बेहद आम समस्या है जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। जब हम मीठा या स्टार्च वाला भोजन खाते हैं, तो ये बैक्टीरिया एसिड बनाते हैं जो दांतों में गड्ढे पैदा कर देते हैं। अगर समय रहते इसका इलाज न किया जाए, तो संक्रमण दांत की नसों तक पहुंचकर असहनीय दर्द और सूजन का कारण बनता है।

शुरूआती स्तर पर ओरल हाइजीन में सुधार और कुछ प्रभावी घरेलू उपाय से दांतों की समस्या को ठीक किया जा सकता है। यह समझना जरूरी है कि ये नुस्खे दांतों को साफ रखने और दर्द कम करने में मदद करते हैं, लेकिन गहरी कैविटी के लिए डेंटिस्ट की सलाह लेना जरूरी है।

### लौंग और फिटकरी

लौंग में 'यूजेनॉल' नामक तत्व होता है, जो नेचुरल एनेस्थेटिक और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर है। प्रभावित दांत पर लौंग का तेल लगाने या एक लौंग दबाकर रखने से न केवल दर्द कम होता है, बल्कि बैक्टीरिया का खात्मा भी होता है। इसी तरह फिटकरी के पानी से कुल्ला करने पर मुंह का स्त्रल लेवल संतुलित रहता है और हानिकारक कीटाणुओं से छुटकारा मिल जाता है, जिससे सड़न आगे नहीं बढ़ती।

### ऑयल पुलिंग

'ऑयल पुलिंग' या नारियल तेल से कुल्ला करना एक प्राचीन आयुर्वेदिक तकनीक है जो दांतों से 'कीड़ों' और टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करती है। सुबह खाली पेट एक चम्मच नारियल तेल को मुंह में 10-15 मिनट तक घुमाएं और फिर थूक दें। इसमें मौजूद लॉरिक एसिड बैक्टीरिया को खत्म करता है, मसूड़ों को मजबूत बनाता है और दांतों की प्राकृतिक चमक वापस लाने में सहायक होता है।

### बचाव और डेंटिस्ट की सलाह का महत्व

दांतों की सड़न से बचने के लिए घरेलू नुस्खे एक ढाल की तरह काम करते हैं, लेकिन ये प्रोफेशनल डेंटल फिलिंग का विकल्प नहीं हैं। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर लोग छोटे दर्द को नजरअंदाज कर देते हैं, जो बाद में रूट कैनाल जैसे महंगे इलाज का कारण बनता है। इसलिए नियमित सफाई रखें, मीठा कम खाएं और साल में एक बार डेंटिस्ट से चेकअप जरूर कराएं। आपकी लापरवाही आपके दांतों की उम्र कम कर सकती है।

### नमक और गुनगुने पानी का सरल उपाय

दांतों की परेशानी में नमक के पानी से कुल्ला करना सबसे पुराना और वैज्ञानिक रूप से प्रभावी तरीका है। नमक एक प्राकृतिक कीटाणुनाशक है जो मसूड़ों की सूजन कम करता है और दांतों के बीच फंसे खाद्य कणों को बाहर निकालता है। रोजाना दिन में दो बार गुनगुने नमक के पानी से गरारे करने से मुंह के हानिकारक एसिड बेअसर हो जाते हैं, जिससे कैविटी का खतरा काफी कम हो जाता है।

# Sport

भारत ने चार विकेट से पहला वनडे मुकाबला जीत लिया। वडोदरा में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 300 रन बनाए। जवाब में भारत ने एक ओवर के शेष रहते 306 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

## सांसें रोक देने वाले मुकाबले में भारत की दमदार जीत, विराट और गिल के अर्धशतक; श्रेयस की शानदार वापसी

**वडोदरा।** भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज की शानदार शुरूआत करते हुए पहला मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। रविवार को वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने डेरिल मिचेल, डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स के अर्धशतकों की बदौलत 50 ओवर में 8 विकेट पर 300 रन बनाए। 300 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 49 ओवर में 6 विकेट पर 306 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह भारत द्वारा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा। इससे पहले भारत ने 2010 में बंगलुरू में न्यूजीलैंड के खिलाफ 316 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

इस जीत के साथ भारत ने न्यूजीलैंड पर वनडे क्रिकेट में अपना दबदबा और मजबूत कर लिया। टीम इंडिया की यह 2023 से न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार आठवीं वनडे जीत रही। वहीं घरेलू सरजमीं पर भारत ने 2017 से न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार आठ वनडे मुकाबले जीत लिए हैं। दूसरी ओर, यह मैच हारने के साथ ही न्यूजीलैंड की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद वनडे में चली आ रही नौ मैचों की जीत का सिलसिला भी टूट गया। इसके अलावा, भारतीय टीम वनडे क्रिकेट में 300 या उससे ज्यादा के लक्ष्य का सबसे ज्यादा बार सफलतापूर्वक पीछा करने वाली टीम बन गई है। भारत ने अब तक 20 बार 300+ रन का लक्ष्य हासिल किया है, जो किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक है। इस सूची में इंग्लैंड (15), ऑस्ट्रेलिया (14), पाकिस्तान (12) और न्यूजीलैंड व श्रीलंका (11-11) शामिल हैं।

### छोटी पारी खेले...फिर भी चमके हिटमैन

301 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को पहला झटका रोहित शर्मा के रूप में लगा। वह 29 गेंदों में 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे। भले ही हिटमैन बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे लेकिन उन्होंने दो छक्के जड़कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मुकाबले में अपना 650वां अंतरराष्ट्रीय छक्का जड़ा और यह उपलब्धि हासिल करने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए। इतना ही नहीं, रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में ओपनर के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया।

## टीम इंडिया को मिला एक और नया ऑलराउंडर, हर्षित राणा को मिली नई भूमिका? वनडे में नंबर सात पर फोकस

**वडोदरा।** भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय से ऐसे खिलाड़ियों की तलाश जारी रही है जो तेज गेंदबाजी के साथ निचले क्रम में उपयोगी रन भी दे सकें। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने इसी दिशा में उम्मीद जगाई। गेंद और बल्ले दोनों से योगदान देने के बाद उन्होंने यह खुलासा किया कि टीम मैनेजमेंट उन्हें एक विशेषज्ञ वनडे ऑलराउंड ऑप्शन के रूप में तैयार कर रहा है।

**टीम की प्लानिंग: नंबर सात-आठ की भूमिका:** मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में राणा ने साफ किया कि टीम की भूमिका उन्हें पूरी स्पष्टता से समझाई गई है। उन्होंने अपने बयान में कहा, 'टीम मैनेजमेंट मुझे एक ऑलराउंडर के तौर पर ग्रूम करना चाहता है, और मेरा काम उसी पर मेहनत करना है। मैं इस पर काम कर रहा हूं, नेट्स में भी। बल्लेबाजी में नंबर आठ पर खेलना होगा और टीम चाहती है कि वहां रन निकले।' उन्होंने आगे जोड़ा, 'जब मैं बैटिंग के लिए गया, तो साथियों ने जो आत्मविश्वास दिया, वही काम आया। मैं बस उसी पर फोकस गया और रन बना पाया।'

### बड़ोदा थ्रिलर में राणा का कमाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ चेज के दौरान विराट कोहली और श्रेयस अय्यर की साझेदारी के बाद अचानक विकेट गिरे और तनाव बढ़ा। इसी बीच वॉशिंगटन सुंदर की हल्की चोट के कारण राणा को नंबर सात पर भेजा गया।

**आवश्यकता है**
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
संपर्क मो.9575477077

**आवश्यकता है**
मैनेजर, अस्टिंट मैनेजर, हाउस कीपिंग, कम्प्यूटर आपरेटर, एकाउंटेंट, सिक्योरिटी गार्ड, चौकीदार की आवश्यकता है। होटल हेतु।
संपर्क 9893374872

**प्लाट बेचना है**
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है । प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

**अवश्यकता है**
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन) मो. 9425094114

**रेंट पर देना/आवश्यकता**
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क 9826398272

**कर्मचारी की आवश्यकता**
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

**कृषि भूमि बेचना है**
• उज्जैन से मात्र 16 किमी पर 5 बीघा ग्राम आँवलिया में मात्र 22 लाख रुपये बीघा
• 25X60 का प्लॉट बेचना है एमपी नगर में
• 13X50 का मकान बेचना है मक्सी रोड एम आर 5 रोड पर
• 17X30 तीन मंजिला मकान बेचना है मेन रोड पर सांदीपनी नगर एम आर 5 रोड पर
मो. 9301388290, 9340903559

**अमरूद बेचना है**
अमरूद का बगीचा जवासिया कुमार, लालपुर, उज्जैन में चार बीघा में करीब 400 अमरूद के पेड़ अच्छी बहार आई फल बेचना है।
: संपर्क :
7746856444

**आवश्यकता**
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.) मो. 9575279117

**कर्मचारियों की आवश्यकता है**
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

**तुरंत लोन**
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पताः श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

**शॉप बेचना है**
12/1 भोज मार्ग, फ्रीगंज उज्जैन में साढ़े सात 20 की शॉप बेचना है।
संपर्क 9993368146

**आवश्यकता है**
कारखाने में (उज्जैन) पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें 9300405252

**रद्दी बेचना है**
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

**वॉटर प्रुफिंग**
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

## न्यूज कॉलम

### घर से राशन लेने निकली महिला की बस की टक्कर से मौके पर ही मौत

**इंदौर।** इंदौर के राऊ इलाके में मंगलवार दोपहर एक महिला को बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने बस को रोक लिया, लेकिन ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। राऊ पुलिस के मुताबिक मृतिका का नाम विद्या, पति भागीरथ पाटीदार, निवासी राऊ है। पुलिस ने बताया कि विद्या अपने घर से राशन लेने कंट्रोल पर जा रही थी। थाने के आगे रास्ता पार करते समय उन्हें तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में विद्या की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। परिवार के लोगों ने बताया कि विद्या के परिवार में एक बहू और 15 साल का पोता है। विद्या के पति की करीब 12 साल पहले बीमारी के कारण मौत हो चुकी है। उनके इकलौते बेटे राकेश की भी कोरोना के दौरान मृत्यु हो गई थी। बहू निजी काम करके परिवार की देखभाल कर रही थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

### स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम का हैदराबाद केंद्रीय विवि से प्रारंभ

**इंदौर।** 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर अभाविप के राष्ट्रव्यापी अभियान स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम का हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय से शुभारंभ किया गया। यह युवाओं की डिजिटल लत से मुक्ति की दिशा में बड़ा कदम है, जिसका शुभारम्भ युवाओं के शाश्वत प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी की 164वीं जन्म जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) पर हुआ। इसका शुभारंभ विवि में हुई संगोष्ठी के माध्यम से किया गया। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने सभी विद्यार्थियों को इस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। विद्यार्थियों से प्राप्त सुझावों के आधार पर अभाविप ने इस विषय को उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रस्तुत किया था। इसी क्रम में उक्त संगोष्ठी में अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा पोस्टर का विमोचन कर इस अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उक्त विवि छात्रसंघ के निर्वाचित अध्यक्ष शिवा पालेपू सहित समस्त छात्रसंघ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

### धार रोड स्थित डी-मार्ट में महिला के साथ छेड़छाड़, तीन युवक गिरफ्तार

**इंदौर।** इंदौर के धार रोड स्थित डी-मार्ट में एक महिला के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगने के बाद सोमवार रात को हिंदू संगठन चंदन नगर थाने पहुंचे। यहां उन्होंने नारेबाजी की। बाद में पुलिस ने पीड़ित दंपती की लिखित शिकायत दर्ज की। मामला चंदन नगर थाने का है। महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। वह अपने पति के साथ डी-मार्ट में टाई सेक्शन के पास खड़ी थीं। सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे के बीच पीछे से आए तीन युवकों में से एक ने बुरी नीयत से महिला के पैर को छुआ। महिला ने तुरंत अपने पति को इसकी जानकारी दी। दंपती ने युवक को रोका और उसकी बदतमीजी के बारे में पूछा, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। इसके बाद दंपती ने 112 नंबर पर कॉल की। मौके पर पहुंची एफआरवी टीम ने जानकारी लेने के बाद छेड़छाड़ करने वाले तीनों युवकों को दबोचा, पहले उन्हें जमकर फटकार लगाई और फिर पुलिस के हवाले किया। पीड़िता का आरोप है कि तीनों युवक उसे और उसके पति को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दे रहे थे। बाद में तीनों को एफआरवी में बैठाकर महिला और उसके पति थाने पहुंचे और मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। छेड़छाड़ के आरोपी, सिद्दकी खान, साहिल खान और फैजान खान को गिरफ्तार कर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। सभी अंबार नगर के रहने वाले हैं।

### डॉ. काउंट सीजर मेटी जी की जयंती इलेक्ट्रो होम्योपैथी दिवस के रूप में मनाई

**इंदौर।** वैकल्पिक चिकित्सक संघ जिला इंदौर के अध्यक्ष डॉ. आर एन मिश्रा ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ काउंट सीजर मेटी जी की 217 वीं जयंती के अवसर पर संगठन द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 11 जनवरी को इलेक्ट्रो होम्योपैथी दिवस के रूप में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु सिंह जी के नेतृत्व में भव्य एवं गरिमामई रूप से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय नरेंद्र सिंह जी तोमर (विधानसभा अध्यक्ष म. प्र), एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में चेतन सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता, काउंसिलिंग ऑफ फामेर्सी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओम जैन, डॉ. आएशा अली, अध्यक्ष काउंसिल ऑफ होम्योपैथी, डॉ. समीर बख्शी, चैयरमेन काउंसिल ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी डॉ. विजय नंदमेर, वरिष्ठ न्यूरो चिकित्सक एवं अधीक्षक सुल्तानिया जनाना अस्पताल डॉ. अकील खान, डॉ. अमित सिंह, डॉ. एन के पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु सिंह जी ने डॉ. काउंट सीजर मेटी जी का जीवन परिचय एवं उनके द्वारा ईजाद की गई इलेक्ट्रो होम्योपैथी के बारे में उपस्थित मंचासीन अतिथियों एवं चिकित्सकों को जयन्ती मनाने के उद्देश्य पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आज मध्यप्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में लाखों चिकित्सक इस हानिरहित एवं त्वरित गति से रोगी की पीड़ा हरने वाली इस पद्धति के माध्यम से सुदूर ग्रामीण अंचलों तक कम से कम संशाधनों में भी पीड़ित मानवता की सेवा का कार्य कर रहे हैं। और हमारा संगठन ऐसे ही सेवाभावी चिकित्सकों को समय समय पर मार्गदर्शन करते हुए एवं उनके सेवाभाव का आदर करते हुए पिछले 33 वर्षों से सम्मानित भी करता आ रहा है।

### 3 मौत के बाद चायना डोर खरीदार बनकर पुलिस ने दुकानदार को पकड़ा

**इंदौर।** चाइनीज मांजे से तीन महीने में तीन युवकों की मौत के बाद पुलिस जागी है। अब तक मांजा बेचने वालों के खिलाफ सामान्य धाराएं लगाई जा रही थीं। पहली बार पुलिस ने पतंग उड़ाने वालों पर एनजीटी की धाराएं लगाई हैं। इसमें 5 साल तक की सजा और एक लाख रुपए जुर्माना या दोनों हैं। ये धाराएं दिल्ली और उत्तरप्रदेश में लगाई जाती रही हैं। थाना जूनी इंदौर पुलिस ने रविवार को जबरन कॉलोनी में दबिश दी। मनीष पिता शिवप्रसाद साहू और सुरेश पिता नाथूलाल साहू को पकड़ा है। इनके खिलाफ बीएनएस की धारा 125, 223(ए) और धारा 15 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत केस दर्ज किए हैं। उधर, द्वारकापुरी पुलिस ने चाइनीज मांजे से पतंग उड़ाने वाले विपिन भावसार निवासी लाभम पार्क कॉलोनी ग्राम रंगवासा, गणेश निहाले और बबलू सैनी दोनों निवासी दिग्विजय मल्टी को चाइनीज मांजे से पतंग उडाते पकड़ा है।

### भंवरकुआं इलाके में कारों-गुमटियों में की तोड़फोड़, 3 आरोपी पकड़ाए

**इंदौर।** इंदौर के भंवरकुआ इलाके में तीन बदमाशों ने नशे में इलाके में उत्पात मचाया। इस दौरान बदमाशों ने गुमटी और ठेलों को पलटने के साथ-साथ कई कारों के कांच भी तोड़ दिए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की और मंगलवार को तीन आरोपियों को पकड़ लिया। डीसीपी आनंद कल्यादगी ने बताया कि इंद्रपुरी इलाके में रविवार रात एक चौकीदार से मारपीट की गई और गुमटी जैसी दुकानों और चारपहिया वाहनों में तोड़फोड़ की गई, जिसका वीडियो सामने आया। पुलिस ने जांच में आशु, रोनी और विक्की नाम के तीन आरोपियों की पहचान की और उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया। आरोपियों ने नशे में लोगों से मारपीट भी की थी। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने यहां के रहवासियों की चार से अधिक कारों में तोड़फोड़ की। पुलिस उनके और भी अपराधों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

## हाईकोर्ट ने कहा- बैन के बावजूद घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण, बच्चे पकड़ाए तो माता-पिता जिम्मेदार

# चाइनीज मांझे से मौत पर अब गैर-इरादतन हत्या का केस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

चाइनीज मांझे से हो रही मौतों को लेकर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद लगातार जानलेवा घटनाएं होना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसे रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई जरूरी है।

कोर्ट ने निर्देश दिए कि चाइनीज मांझे से यदि किसी की मौत होती है, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) के तहत गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति चाइनीज मांझा बेचते या उसका उपयोग करते पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सीधे आपराधिक कार्रवाई होगी। साथ ही यदि नाबालिग चाइनीज मांझे का उपयोग करते पकड़े जाते हैं, तो उनके अभिभावकों को जिम्मेदार मानते हुए उनके खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

### इंदौर में तीन लोगों की गई जान

कोर्ट ने बताया कि इंदौर में बीते कुछ महीनों में चाइनीज मांझे से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई लोग घायल हुए हैं और बड़ी संख्या में पक्षी भी इसकी चपेट में आकर मारे गए हैं। कोर्ट ने कहा कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति है और इस दौरान पतंगबाजी बढ़ जाती है, जिससे प्रतिबंधित मांझे के उपयोग से बड़े हादसों की आशंका बनी रहती है।

**सरकार ने कहा-जागरूकता अभियान चला रहे-** शासन की ओर से बताया गया कि चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध के साथ इसके दुष्परिणामों को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बिक्री रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है और हादसों की रोकथाम के लिए विशेष उपकरणों का भी उपयोग किया जा रहा है। हाईकोर्ट पहले ही 11 दिसंबर 2025 को इंदौर सहित आसपास के जिलों में स्पष्ट निर्देश जारी कर चुका है।

**महिला वकील बोलीं-मेरा भी गला कट गया-** सुनवाई के दौरान महिला एडवोकेट कविता उइके ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि चाइनीज डोर से उनका गला कट गया था और जान बचाने के लिए उन्होंने डोर हाथों से तोड़ी, जिससे हथेली गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इस पर कोर्ट ने संवेदना जताते हुए शासन को और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

### 14 जिलों से कार्ययोजना की रिपोर्ट तलब

सुनवाई के दौरान न्यायमित्र सीनियर एडवोकेट विवेक शरण और आकाश शर्मा ने सुझाव दिया कि मकर संक्रांति को देखते हुए इंदौर और हाईकोर्ट की सीमा में आने वाले 14 जिलों से उठाए गए कदमों और कार्ययोजना की रिपोर्ट तलब की जाए। अगली सुनवाई 16 जनवरी को होगी। इस दौरान कलेक्टर शिवम वर्मा भी कोर्ट में उपस्थित रहे।

## इंदौर की घटना पर शिवराज व सिंधिया की चुप्पी पर आश्चर्य

# सपनों के शहर से मामा एकदम दूर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इन्दौर

मां अहिल्या की नगरी इंदौर मध्यप्रदेश की राजनीती का प्रमुख केंद्र है। हर बड़े नेता का यहां मजबूत समर्थक है। मालवा निमाड़ की राजनीति, प्रदेश की राजनीति को प्रभावित करती है।

इंदौर में हर अच्छे कार्य का श्रेय लेने व उसमें बढ़-चढ़कर बड़े नेता हिस्सा लेते रहे हैं लेकिन इंदौर में हुए दर्दनाक पानी कांड पर दो बड़े नेताओं की चुप्पी खल रही है। दोनों नेताओं ने अपने सोशल मीडिया पेज पर दुःख भी नहीं जताया है।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान, केंद्रीय ज्योतिरादित्य सिंधिया के इंदौर में बड़ी संख्या में समर्थक हैं। जब इंदौर आते हैं एयरपोर्ट पर नेताओं के साथ समर्थकों की बड़ी कतार रहती है लेकिन इंदौर के भागीरथपुरा में हुए पानी कांड में कई लोग मर गए, लेकिन इन दोनों नेताओं ने किसी प्रकार की सवेदना भी व्यक्त नहीं की। शिवराजसिंह चौहान के लिए तो इंदौर सपनों का शहर रहा है। मुख्यमंत्री रहते जब इंदौर आते तब भव्य स्वागत होता रहा है। शहर के बड़े नेता आज भी उन्हीं से जुड़े हैं। पूर्व मेयर व विधायक मालिनी गौड़, महेन्द्र हार्डिया, मधु वर्मा, उषा ठाकुर, सुदर्शन गुप्ता उनके ही नजदीकी हैं वहीं गोलू शुक्ला भी करीबी हैं।

- मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी जब-जब शिवराजसिंह चौहान इंदौर आए है ये नेता उनके साथ रहते रहे हैं। अन्य छोटे नेता भी बहुत हैं। ऐसे ही ज्योतिरादित्य सिंधिया महाराज का भी है। मंत्री तुलसी सिलावट, विपिन खुजनेरी, राजू चौहान सहित कई छोटे-बड़े नेता उनके खास हैं। कांग्रेस में थे जब भी ये खास थे।
- ज्योतिरादित्य सिंधिया का भी इंदौर से खासा लगाव है। उनके पिता माधवराव सिंधिया का विशेष लगाव रहा है। ऐसे में इतनी बड़ी घटना पर भी महाराज की चुप्पी भी खल रही है।
- महाराज ने भी सोशल मिडिया पर भी कोई शोक नहीं जताया। जबकि महाराज ने निगम चुनाव में अपने समर्थकों को टिकिट दिलाने में एड़ी चोटी का जोर लगाया था। अभी भी अपने समर्थकों को निगम-मंडल में जगह दिलाने के लिए महाराज प्रयासरत हैं। इन दोनों नेताओं का इंदौर से लगाव व वर्चस्व जगजाहिर है। ऐसे में इनका चुप रहना यही दर्शा रहा है की वे इस घटना की राजनीतिति से दूर ही रहना चाहते हैं।

# एक विभाग सड़क बना रहा, दूसरा खोद रहा

## इंडस्ट्री हाउस पर 53 लाख से बना लेफ्ट टर्न फिर खोद दिया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इन्दौर

नगर निगम में विभागों के बीच तालमेल नहीं है। एक विभाग सड़क बनाता है और दूसरा उसे खोदने आ जाता है। पलासिया क्षेत्र के इंडस्ट्री हाउस चौराहे पर पिछले साल नगर निगम ने लेफ्ट टर्न चौड़ा कर यातायात सुधारने का दावा किया था।

इस काम पर करीब 53 लाख रुपए खर्च किए गए थे। सड़क का कांक्रीटकरण हुआ, दोनों तरफ की जमीन ली गई और रहवासियों व शोरूम संचालकों से सहमति भी बनाई गई। एक तरफ का लेफ्ट टर्न चौड़ा भी हुआ और वाहन चालकों को आसानी भी हुई लेकिन कुछ दिन पहले नर्मदा जलप्रदाय शाखा ने उसी सड़क को लाइन डालने के लिए फिर से खोद दिया। 9 साल से योजना बन रही थी, पिछले साल काम हुआ- इंडस्ट्री हाउस चौराहे का लेफ्ट टर्न चौड़ा करने की योजना 8-9 साल से बनाई जा रही थी। पिछले साल इसे चौड़ा कर जंजीरवाला चौराहे से इंडस्ट्री हाउस की ओर आने वाली 40 फीट सड़क को ट्रैफिक सिग्नल के पास करीब 60 फीट चौड़ा किया गया। वहीं करीब 400 फीट लंबाई में 19 फीट अतिरिक्त चौड़ाई बढ़ाई गई थी। अब उसी हिस्से पर इसे दोबारा खोदा गया।

चौराहे पर चौड़ीकरण सिर्फ एक तरफ से ही हो पाया। महिदपुर वाला शोरूम की तरफ पेड़ शिफ्ट नहीं होने से वहां काम नहीं किया गया। शहर में कई जगह पेड़ काटने की अनुमति दी जा रही है, लेकिन इस हिस्से में अब तक अनुमति नहीं मिली। पिछले साल निगम ने छावनी रोड, देवास नाका और मौसा वाली गली चौराहे पर भी लेफ्ट टर्न चौड़े किए थे। मकसद यातायात सुधारना था, लेकिन इंडस्ट्री हाउस चौराहे पर बार-बार हो रही खुदाई से प्रशासनिक समन्वय पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

बिना तोड़फोड़ वास्तु समाधान
• कर्ज बढ़ रहा है
• बच्चा नशा करता है
• पति बीमार है
• काम छूट गया है
पं. पंकज शर्मा
मैं करूंगा समाधान पाटन वाले गुरुजी
Mob.9977444550
पता - शिव मंदिर के पास, जेल रोड, इंदौर

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशाति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिक्कड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com